श्रावण शुक्ल पक्ष एकादशी, संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 33 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
05 अगस्त 2025 मंगलवार

आज का मौसम
26 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

सच्चा भारतीय बना मुद्दा: ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा भी विपक्ष की गलती : पीएम

मोदी बोले- इससे बड़ी फटकार नहीं प्रियंका ने कहा वो नहीं तय करेंगे

नई दिल्ली एजेंसी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर 'सच्चे भारतीय' वाली कोर्ट की टिप्पणी अब बडा सियासी विषय भी बन गई है। दरअसल कल सेना पर की गई टिप्पणी मामले पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राहुल पर नाराजगी जताई थी। आज सुबह संसद भवन ऑडिटोरियम में एनडीए संसदीय दल की बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी ने इसी मुद्दे पर कहा- 'सुप्रीम कोर्ट की इससे बड़ी फटकार हो ही नहीं सकती है।' उधर अब कांग्रेस सांसद व महासचिव प्रियंका गांधी ने राहुल गांधी पर कोर्ट की टिप्पणी को लेकर आज कहा- 'माननीय जजों का पूरा सम्मान रखते हुए मैं ये कहना चाहती हूं कि वे यह तय नहीं करते कि सच्चा भारतीय कौन है।' प्रियंका ने कहा कि सरकार से सवाल पूछना विपक्ष के नेता का कर्तव्य है, मेरा भाई कभी भी सेना के खिलाफ नहीं बोलेगा, वह उनके प्रति सम्मान रखता है। उनकी बातों का गलत मतलब निकाला गया।' उल्लेखनीय है कि कल कोर्ट ने कहा था कि सच्चा भारतीय ऐसा नहीं कहेगा,आपको कैसे पता चला कि चीन ने भारत की दो हजार वर्गकिमी जमीन पर कब्जा कर लिया है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल ने यह विवादित बयान दिया था।

आज दिल्ली स्थित संसद भवन परिसर में सुबह एनडीए संसदीय दल की बैठक हुई। इसमें सांसदों ने पहलगाम हमले पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत सरकार की कार्रवाई के लिए पीएम मोदी को सम्मानित किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उन्हें हार पहनाया। सांसदों ने 'हर-हर महादेव', 'भारत माता की जय' के नारे लगाए। खबरों की मानें तो मोदी ने सांसदों को संबोधित करते हुए राहुल मामले पर कहा कि 'इस पर हम क्या कहें, जब सुप्रीम कोर्ट ने ही कह दिया। ये तो अपना पैर पत्थर पर मारना ही नहीं, आ बैल मुझे मार वाली बात है। इतनी बड़ी फटकार कोई हो ही नहीं सकती, जो कल सुप्रीम कोर्ट ने उनको लगाई। संसद में भी ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करके विपक्ष ने गलती की। इसमें उनकी फजीहत हुई। विपक्ष अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने में माहिर है। विपक्ष रोज ऐसी चर्चा कराए, हम इस फील्ड में माहिर हैं।'

'बिहार मामले में पीएम ने कहा कि वोटर्स लिस्ट रिविजन के मुद्दे पर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। मोदी ने सभी एनडीए सांसदों से तिरंगा यात्रा और खेल दिवस पर होने वाले कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए कहा व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की तारीफ करते हुए बोले कि 'लालकृष्ण आडवाणी के बाद शाह सबसे लंबे समय तक गृह मंत्री पद पर बने हुए हैं, ये अभी शुरुआत है। इस मौके पर सांसदों को सरकार के 11 साल के कार्यकाल पर, '11 साल,11 बड़े फैसले' शीर्षक वाली किताब दी गई। मानसून सत्र के दौरान एनडीए सांसदों की यह पहली बैठक थी।

कुछ अफसरों को रास नहीं आया बेसहारा गौवंश का आशियाना

गौवंश प्रेमी मुख्यमंत्री के राज में नौकरशाही का मनमाना रवैया

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अफसरों की कॉलोनी चार इमली में आपसी सहयोग से पल रही बेसहारा गायों के सिर से छाँव और बारिश में छिपने का ठिकाना भोपाल नगर निगम ने छीन लिया। लाव-लश्कर और भारी पुलिस बल के साथ आए निगम अफसरों ने गायों के लिए बन रहे शेड को तोड़ दिया और गायों को भी पशु वाहन में भरकर ले जाने की कोशिश की। कॉलोनी के लोगों के विरोध के कारण वे गायों को तो छोड़ गए लेकिन यह नहीं बता सके कि वे गौवंश रक्षा की किस सरकारी नीति का पालन कर रहे थे। हालांकि रहवासियों के सहयोग से एकत्र राशि से बन रहे शेड का पूरा सामान वे अपने साथ ले गए। बारिश के मौसम में ऐसी कार्रवाई के बाद अब यहां पल रही करीब 70 गायों का क्या होगा, उन्हें सहारा देने वाले अब इसी चिंता में डूबे हैं।

दर- दर भटकते गौवंश को कोविड के दौरान स्थानीय शिव मंदिर परिसर में यह ठिकाना मिला था। तब हालात यह थे चार इमली क्षेत्र के रास्ते चारों ओर से बंद थे। भटकती गायों को चारा भी नहीं मिल पा रहा था। तब कॉलोनी के रहवासियों ने अपने व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से इन्हें पालने का बीड़ा उठाया था। उस दौर को याद करते हुए कॉलोनी की निवासी श्रीमती प्रेरणा शर्मा कहती हैं, 'हमने 2 सितम्बर 2019 में यह ग्रुप बनाया था तब पता नहीं था की यह ऐसे पावन कार्य के लिए उपयोग होगा। जब, सरकार की किसी एजेंसी ने इन मूक जानवरों की परवाह नहीं की तब हम सबने मिलकर हाथ बढ़ाया वरना तो इनका जीना मुश्किल हो जाता। अब , जब गोवंश को आसरा मिला हुआ है तो प्रशासन को खटक रहा है। वैसे भी यहां रह रही गायों की वजह से किसी को कोई परेशानी नहीं है। वे पार्क के लिए आरक्षित लेकिन बदहाल पड़ी जमीन पर रह रही हैं जिसके चारों ओर बाउंड्री है।'

सवाल उठना लाजमी है की फिर इस गौशाला से दिक्कत किसे है ? बताया जाता है की निगम ने आनन-फानन में यह एक्शन कमिश्नर हरेंद्र नारायण यादव के कहने पर किया। गायों की देखरेख करने वाले मंदिर प्रबंधन के अधिकारी कहते है कि गौ संरक्षण को लेकर संवेदनशील मुख्यमंत्री मोहन यादव को हरेंद्र यादव से पूछना चाहिए कि उन्होने गायों को बेसहारा करने का यह कदम सरकार के किस आला अफसर के कहने से उठाया। क्योंकि कमिश्नर के बारे में यह बात जग जाहिर है कि वे शहर के नागरिकों को तो छोड़ दें , सांसद ओर महापौर तक के फोन अटेंड नहीं करते।

चार इमली में तोड़ी गौशाला

फाइल फोटो

सरकार चाहती तो सहयोग कर सकती थी

गौवंश के पालन के लिए सहयोग कर रहे दानदातओं का कहना है कि सरकार गायों को बेदखल करने की बजाए गौशाला का रजिस्ट्रेशन कर सकती थी जिससे मदद भी मिलती। वैसे भी जिस पार्क की जमीन से उन्हें हटाने कि कोशिश हो रही है, वह सालों से बदहाल है ओर वहां कभी पार्क विकसित ही नहीं हुआ।

अफसर लगा रहे सीएम की नीति को पलीता

कॉलोनी की निवासी श्रीमती महिमा पंचोली कहती हैं , प्रदेश के मुख्यमंत्री का नाम ही मोहन है जिन्हें गाय प्रिय है। वे स्वयं भी इस मामले में संवेदनशील है। फिर उनके अफसर ही गौवंश की सुरक्षा की उनकी नीतियों का उल्लंघन कैसे कर रहे हैं। सवाल यह भी है कि यदि यहां से गायों को शिफ्ट किया तो कहाँ ले जाएंगे ? क्या उन्हीं सरकारी मदद से चलने वाली गौशालाओं में जिनकी बदहाली किसी से छिपी नहीं है।

उठते सवाल - दर सवाल

अब सवाल मोहन यादव सरकार से है कि गौशाला के ढांचे को ढहाने का फरमान देने वाले अफसर के ख़िलाफ़ कोई कार्यवाई करेगी ? क्या उससे यह जानने की कोशिश होगी कि बंद बाड़े में पलती गायों को हटाने और भरी बरसात के बीच उनके शेड को हटाने की हिमाकत किन अफसरों के कहने पर की गई ? भोपाल के सांसद आलोक शर्मा, क्षेत्रीय विधायक भगवान दास सबनानी या महापौर से कुछ सवाल करने का कोई औचित्य ही नहीं, क्योंकि सूबे के नगर निगमों के सबसे पॉवरफुल अफसर हरेंद्र नारायण यादव के सामने किसी की बिसात ही क्या है? इससे पहले शिवराज सरकार के दौरान एक रसूखदार अफसर के कहने पर निगम अमला साईं बाबा के निर्माणाधीन मंदिर को तोड़ने जा पहुंचे थे। शिवराज इस अफसर को अपने हनुमान बताते थे, लेकिन उसे अपने बंगले के सामने बने मंदिर की घंटियाँ भी चुभती थीं। साईं मंदिर पर कार्रवाई तत्कालीन विधायक उमाशंकर गुप्ता के हस्तक्षेप के बाद रुकी और मंदिर भी बना। इसके चंद दिनों के भीतर ही उस अफ़सर ने अपना सरकारी बंगला ही बदलवा लिया ।

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भूतपूर्व मुख्यमंत्री पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र की जयंती पर विधानसभा परिसर में आज पुष्पांजलि अर्पित की। पंडित मिश्र करीब चार साल मुख्यमंत्री रहे।

खनिज फंड व फर्जी नियुक्ति योग्यता मामला गूंजा

मानसून सत्र में महिला विधायकों के सवालों की बौछार, वॉकआउट भी

भोपाल दोपहर मेट्रो

मप्र विधानसभा में आज खनिज विभाग के फंड को लेकर हंगामे की स्थिति बनी। हालांकि आज का दिन महिलाओं को भी समर्पित रहा। इसके तहत सदन में प्रश्नकाल के दौरान महिला विधायकों को प्राथमिकता दी गई। घोड़ाडोंगरी से भाजपा विधायक गंगा सज्जन सिंह ने अपने क्षेत्र में 15 करोड़ रुपए से काम करने का मामला उठाया तो शोर शराबा भी हुआ। वरिष्ठ विधायक गोपाल भार्गव ने कहा - जब खनिज मद से कार्य किए जाने संबंधी कोई प्रावधान नहीं है तो क्या डिस्ट्रिक्ट मिनरल फंड से राशि देने पर रोक लगा दी गई है? इसके जवाब में मंत्री चैतन्य कश्यप ने कहा- डीएमएफ राशि जिले में अलग से खर्च की जाती है। रॉयल्टी की राशि राज्य स्तर पर आती है और राज्य के अंदर बजट के प्रावधान के अनुसार उसका वितरण होता है। कांग्रेस विधायक सेना महेश पटेल द्वारा पुरानी पेंशन योजना ओपीएस लागू करने पर विचार के सवाल पर उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने इंकार किया। अनुभा मुंजारे ने महिला बाल विकास में बाधित पदोन्नति को लेकर सवाल पूछा। वहीं जबलपुर में विक्टोरिया हॉस्पिटल के अधिकारी की शैक्षणिक योग्यता फर्जी होने के मामले में विपक्ष के तेवर कडे रहे। उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने कहा कि जांच रिपोर्ट में शैक्षणिक योग्यता फर्जी नहीं बताई गई है। इस पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार,अजय सिंह समेत अन्य कांग्रेस विधायकों ने कहा कि मंत्री इस मामले में कार्यवाही नहीं करना चाहते हैं। असंतुष्ट कांग्रेस ने सदन से वॉक आउट भी किया।

कटारे भाजपा पर भड़के

उधर सदन के बाहर उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने खुद पर दर्ज रेप केस की दोबारा जांच को लेकर कहा- भाजपा नेता भ्रष्टाचार में डूबे हैं। मैंने आवाज उठाई तो सरकार इस पुराने मामले को लेकर सुप्री म कोर्ट गई। भाजपा नेता महिलाओं की आड़ में राजनीति करते हैं। पंकज उपाध्याय ने ग्वालियर किले में होटल खोलने के प्रस्ताव का विरोध किया व कहा कि सरकार ऐतिहासिक विरासत को बर्बाद करने जा रही है। भाजपा विधायक अभिलाष पांडे ने कहा कि किले में सिखों का पवित्र स्थल गुरुद्वारा दाता बंदी छोड़ है। पुराने शासकों की छतरियां हैं। इस ऐतिहासिक किले में कोई होटल न खोला जाए।

शिबू सोरेन का अंतिम संस्कार, खरगे-राहुल भी पहुंचेंगे

रांची। झारखंड के पूर्व सीएम शिबू सोरेन का आज उनके पैतृक गांव नेमरा (रामगढ़) में अंतिम संस्कार हो रहा है। उनके छोटे बेटे बसंत सोरेन उन्हें मुखाग्नि देंगे। इससे पहले आज सुबह बड़ी संख्या में लोगों ने मोरहाबादी स्थित उनके आवास पर अंतिम दर्शन किए और श्रद्धांजलि दी। स्व सोरेन के करीबियों में गिने जाने वाले पूर्व सीएम चंपाई सोरेन भी श्रद्धांजलि देने पहुंचे। अंतिम संस्कार में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खड़गे, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव भी शामिल होंगे।

4 दिन मानसून का स्ट्रांग सिस्टम नहीं, आती रहेंगी बौछारें

भोपाल दोपहर मेट्रो। मध्यप्रदेश में इस मानसूनी सीजन में राजधानी समेत कई जिलों को सात दिन से राहत है लेकिन अब तक 28.6 इंच बारिश हो चुकी है। यह पूरे मानसून कोटे का 77 प्रतिशत है। हालांकि पूर्वी हिस्से में बादल जमकर बरसे हैं लेकिन मौसम विभाग का कहना है कि अगले 4 दिन तक प्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव नहीं है। हल्की बारिश का दौर जारी रहेगा। दूसरे सप्ताह में तेज बारिश का दौर शुरू होगा। माना जा रहा है कि बारिश का कोटा अगस्त में ही पूरा हो जाएगा। उधर ग्वालियर समेत 9 जिलों में कोटा पूरा हो चुका है लेकिन इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों की तस्वीर बेहतर नहीं है।

ईडी के समक्ष पेश हुए अंबानी, पूछताछ शुरू

नई दिल्ली एजेंसी। रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी 17 हजार करोड़ रुपये के बैंक लोन फ्रॉड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी के समक्ष आज पेश हुए हैं। उनसे पूछताछ जारी है। संघीय जांच एजेंसी ने पांच दिन पहले समन जारी करके उन्हें हाजिर होने कहा था। ईडी दफ्तर में पेश हुए. पूछताछ का नेतृत्व असिस्टेंट डायरेक्टर रैंक के अफसर द्वारा किया जा रहा है। वहीं डिप्टी और जॉइंट डायरेक्ट रैंक के अधिकारी इंटेरोगेशन की निगरानी कर रहे हैं। ईडी ने कुछ दिन पहले ही अंबानी की कंपनियों से जुड़े 35 ठिकानों और व्यक्तियों के यहां छापेमारी की थी और महत्वपूर्ण दस्तावेज, कम्प्यूटर हार्ड ड्राइव समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स जब्त किए थे। जांच एजेंसी ने बैंकों को पत्र लिखकर अनिल अंबानी की कंपनियों को अप्रूव्ड लोन का ब्योरा भी मांगा है।

सतना : कलेक्टर व अफसर साइकिल से पहुंचे दफ्तर

सतना एजेंसी। रीवा संभाग कमिश्नर बीएस जामोद के आह्वान पर सतना में आज साइकिल डे मनाया जा रहा है। सुबह कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस समेत कई अधिकारी और कर्मचारी साइकिल से कलेक्ट्रेट पहुंचे। इस अभियान में एसडीएम सिटी राहुल सलाडिया और तहसीलदार रघुराज नगर सौरभ मिश्रा भी शामिल हुए। कलेक्टर ने अपने बंगले से संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन तक की ढाई किलोमीटर की दूरी 23 मिनट में पूरी की। संभागीय आयुक्त ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील की है कि वे हर मंगलवार को 'साइकल डे' के तहत स्वेच्छा से कार्यालय आने के लिए साइकिल का उपयोग करें। इससे गाड़ियों से निकलने वाले धुएं में कमी आने से वायु प्रदूषण घटेगा व निजी और शासकीय पेट्रोल/डीजल वाहनों के उपयोग में कमी आएगी। महिला कर्मचारियों से कहा गया है कि वे सार्वजनिक परिवहन या ई-स्कूटी से आ सकती हैं।

मेट्रो एंकर

कई अन्य देशों में भी जाकर मांगते हैं भीख, सरकार की भारी किरकिरी

रोजगार का नया साधन... हर छठवां पाकिस्तानी भिखारी

इस्लामाबाद एजेंसी

इन दिनों भीख मांगना पाकिस्तान में सबसे अहम पेशों में से एक बन गया है। इस देश की कुल आबादी 23 करोड़ है और इसमें से तकरीबन 4 करोड़ लोग भीख मांग रहे हैं। यानी पाकिस्तान का हर छठा आदमी भिखारी है। खास बात यह कि पाकिस्तानी न सिर्फ अपने देश में भीख मांग रहे हैं बल्कि विदेशों में भी इसी 'पेशे' को अपना रहे हैं। पाकिस्तान सरकार के सामने भिखारियों के चलते अपनी वैश्विक छवि को संभालना मुश्किल हो रहा है। इस मामले में डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की आबादी 23 करोड़ है, जिसमें से 3.8 करोड़ पेशेवर भिखारी हैं। एक भिखारी की राष्ट्रीय औसत आय प्रतिदिन 850 पाकिस्तानी रुपए है। इनको कथित तौर पर हर दिन 32 अरब रुपए भीख मिलती है, जो सालाना 117 ट्रिलियन रुपए होता है। अमेरिकी डॉलर में पाकिस्तानी भिखारियों की सालाना आय 42 अरब डॉलर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 3.8 करोड़ लोग बिना कुछ किए सालाना 42 अरब डॉलर ले रहे हैं।

इस पेशे का सीधे तौर पर देश की बाकी आबादी पर पड़ रहा है और ये महंगाई के बढ़ने की वजह बनता है। वहीं पाकिस्तान में बिजनेस एंड सोसाइटी सेंटर की रिपोर्ट कहती है कि देश में भीख मांगने का चलन इसलिए बढ़ रहा है क्योंकि दूसरे अकुशल श्रम की तुलना में ज्यादा कमाई हो रही है। एशियाई मानवाधिकार आयोग (एएचआरसी) के अनुसार, पाकिस्तान की 2.5 से 11 प्रतिशत आबादी जीविका कमाने के लिए भीख मांग रही है। देश के प्रमुख शहरी केंद्रों की सड़कों पर करीब 12 लाख बच्चे घूमते हैं।

अरब देशों ने वापस भेजे भिखारी

बताया जाता है कि पाकिस्तान सरकार ने सड़कों पर भीख मांगने के लिए विदेश यात्रा करने वाले व्यक्तियों के आंकड़े एकत्र किए हैं। ये आंकड़े इसलिए जमा किए जा रहे हैं क्योंकि विदेशों में पकड़े गए 90 प्रतिशत भिखारी पाकिस्तानी मूल के हैं। इराकी और सऊदी राजदूतों ने पाकिस्तान सरकार से इसकी शिकायत तक की है। पाकिस्तान सरकार ने हजारों ऐसे पासपोर्ट निलंबित किए है, जो धार्मिक तीर्थयात्रा की आड़ में सऊदी अरब, इराक और ईरान जैसे देशों में जाकर भीख मांगते हैं। पिछले ढाई वर्षों में सऊदी अरब और दूसरे खाड़ी देशों देशों से 44,000 भिखारियों को वापस पाकिस्तान भेजा गया है।

भोपाल के नई जेल स्थित बड़वाई विश्वकर्मा मंदिर में सावन महीने में सवा लाख शिवलिंग निर्माण का आयोजन किया गया।

अतिक्रमणकारियों ने किया विरोध, अफसर ने दिखाई सख्ती

चिरायु हॉस्पिटल के सामने फैले अतिक्रमण पर एक्शन बरसों पुराना कब्जा हटाया

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरागढ़ रोड स्थित चिरायु हॉस्पिटल के सामने पिछले कई वर्षों से फैलते जा रहे अतिक्रमण पर आखिरकार नगर निगम ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की। निगम की हमलावर टीम ने मौके पर पहुंचकर हॉस्पिटल के आसपास का पूरा अतिक्रमण हटाया। इस दौरान अतिक्रमणकारियों ने हल्का विरोध भी किया, लेकिन प्रशासन की सख्ती के आगे किसी की एक न चली।

नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि चिरायु हॉस्पिटल के पास कई दुकानदार व अन्य लोगों द्वारा लंबे समय से फुटपाथ और सड़क तक पर कब्जा कर लिया गया था, जिससे ट्रैफिक व्यवस्था बाधित हो रही थी और आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इन अतिक्रमणकारियों को कई बार नोटिस देकर समझाया गया था कि वे खुद से अतिक्रमण हटा लें, लेकिन चेतावनी के बावजूद कार्रवाई की जरूरत पड़ी।

अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि अब अगर दोबारा यहां अतिक्रमण किया गया तो संबंधित लोगों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम की इस कार्रवाई से स्थानीय नागरिकों ने राहत की सांस ली और उम्मीद जताई कि प्रशासन भविष्य में भी ऐसे अवैध कब्जों के खिलाफ सख्ती से कदम उठाएगा।

इस कार्रवाई के दौरान नगर निगम के अधिकारी, पुलिस बल, जेसीबी मशीनें और बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे। मौके पर यातायात व्यवस्था को भी नियंत्रित किया गया ताकि आमजन को किसी प्रकार की दिक्कत न हो।

अभी बरसात का पूरा मौसम बाकी, ठोस सुधार की गुंजाइश कम

जर्जर सड़कों ने बढ़ाई परेशानी बारिश थमी पर गड्ढों में पानी

भोपाल दोपहर मेट्रो

शहर की लगभग हर बस्ती की कोई ना कोई सड़क इस समय अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही है। बारिश थमने के बाद इन सड़कों की दुर्दशा कुछ ज्यादा उभर कर सामने आ गई है। आलम यह है कि बारिश को थमे चार पांच दिन हो चुके हैं लेकिन लड़कों के गड्ढे अभी तक 'पानीदार हैं। नई शहर की मिसरोद रोड पर बनी कॉलोनियों से लेकर गुलमोहर, रोहित नगर, शाहपुरा शिवाजी नगर, एमपी नगर से लेकर भेल तक की सड़कें तत्काल मरम्मत मांग रही है जो अभी संभव नहीं दिखती। यानी सड़क पर चलने वालों को भी कुछ समय और इन परेशानियों से जूझना पड़ेगा।

भेल में भेल बरखेड़ा पठानी क्षेत्र में सड़कों की हालत दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। जगह-जगह गहरे गड्ढे बन चुके हैं, जिससे आम नागरिकों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर बरसात के मौसम में यह गड्ढे जानलेवा साबित हो रहे हैं,

लेकिन जिम्मेदार विभाग और प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि कई बार शिकायतों के बावजूद न तो सड़क की मरम्मत की गई है और न ही गड्ढों को भरा गया है। गड्ढों की वजह से दुपहिया वाहन फिसल कर गिर रहे हैं और ट्रैफिक व्यवस्था भी चरमरा गई है। आए दिन हादसे हो रहे हैं, लेकिन नगर निगम और लोक निर्माण विभाग आंख मूंदे बैठे हैं।

बरखेड़ा पठानी क्षेत्र में कई कॉलोनियों और स्कूल-कॉलेजों का मार्ग इन्हीं टूटी सड़कों से होकर गुजरता है। स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सड़क पर चलना किसी जोखिम से कम नहीं है। व्यापारियों और दुकानदारों का भी कहना है कि खराब सड़कों के कारण ग्राहक आने से कतराने लगे हैं, जिससे उनका कारोबार प्रभावित हो रहा है।क्षेत्रवासियों ने एक सुर में प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द इन गड्ढों को भरा जाए और सड़कों की मरम्मत कराई जाए। यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो रहवासी उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

नवनिध स्कूल के छात्रों ने किया बिस्किट फैक्ट्री का दौरा, जानी बनाने की प्रक्रिया

भोपाल, दोपहर मेट्रो

छात्रों को किताबी ज्ञान से परे वास्तविक दुनिया का अनुभव देने के लिए नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल ने आज, 4 अगस्त 2025 को कक्षा 9वीं के छात्रों के लिए एक शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया। इस दौरान छात्रों ने एलएम बेकर्स (पारले बिस्किट्स प्राइवेट लिमिटेड की एक इकाई) का दौरा किया।

भ्रमण के दौरान, छात्रों ने बिस्किट बनाने की पूरी प्रक्रिया को बारीकी से देखा, जिसमें आटा गूथने से लेकर बेकिंग, पैकेजिंग और गुणवत्ता परीक्षण तक के सभी चरण शामिल थे।

फैक्ट्री के प्रोडक्शन प्रमुख, श्री अखिलेश खोबरागड़े ने छात्रों का स्वागत किया और उन्हें पारले-जी, मोनाको जैसे मशहूर बिस्किट्स के निर्माण की पूरी प्रक्रिया समझाई। इस शैक्षणिक भ्रमण में छात्राओं को आधुनिक तकनीक और स्वच्छता मानकों को करीब से जानने का मौका मिला।

विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि ऐसे भ्रमण से छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान मिलता है और वे भविष्य के लिए बेहतर ढंग से तैयार होते हैं।

संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट में बीबीए का नया बैच शुरू

'आरंभ' : नई यात्रा की शुरुआत छात्रों को मिली भविष्य की दिशा

संत हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

स्कूली शिक्षा के बाद कॉलेज जीवन की शुरुआत हर छात्र के लिए एक रोमांचक और नई यात्रा होती है। इसी यात्रा का स्वागत करने के लिए, संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट में बी.बी.ए. के नए बैच के लिए 'आरंभ' नामक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती और संत हिरदाराम साहिब जी के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। संस्थान के डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर ने अपने प्रारंभिक उद्बोधन में छात्राओं का स्वागत करते हुए संस्थान की विभिन्न गतिविधियों और वैल्यू सिस्टम के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्राओं को जीवन प्रबंधन के सार को समझाया।

जीव सेवा संस्थान के ग्रुप एडवाइजर पीएस राठौर ने छात्राओं को शिक्षा का महत्व बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईटी कंपनी ज़ीबिया के जनरल मैनेजर लियोनार्ड जेसुराज ने अपने कॉर्पोरेट अनुभवों को साझा किया। उन्होंने छात्राओं को भविष्य के लिए तैयार रहने और लगातार सीखने के लिए प्रेरित किया। जेसुराज ने विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग

जैसे भविष्य-उन्मुख कौशलों पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी, ताकि वे कॉर्पोरेट जगत में सफल हो सकें। उन्होंने जोर देकर कहा कि जीवन में एक स्पष्ट लक्ष्य होना बहुत जरूरी है। संस्थान के एमडी हीरो ज्ञानचंदानी ने छात्राओं को आशीर्वाद दिया और उनके सुखद भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर संस्थान के सभी शिक्षक उपस्थित थे, जिन्होंने नए छात्रों का उत्साह बढ़ाया।

मेट्रो एंकर

राजधानी से दिल्ली और मुंबई की तरफ के रूट की ट्रेनें फुल

ट्रेनों में जगह नहीं, लंबी वेटिंग व रक्षाबंधन को दिन कम

भोपाल दोपहर मेट्रो

रक्षाबंधन का पर्व नजदीक है और इस मौके पर अपने परिवार के साथ त्योहार मनाने के लिए लोग बड़ी संख्या में यात्रा की योजना बना रहे हैं। लेकिन त्योहार पर घर जाने की चाहत रखने वालों के लिए रेल यात्रा एक चुनौती बनती जा रही है। त्योहार के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने की भी जरूरत महसूस की जा रही है, लेकिन पर्व के नजदीक आने से अब यह संभावना नजर नहीं आ रही है।

जानकारी के मुताबिक भोपाल से दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों की ओर जाने वाली लगभग सभी प्रमुख ट्रेनों में वेटिंग की लंबी सूची सामने आ रही है। कई ट्रेनों में तो स्लीपर और एसी कोच में नो रूम की स्थिति है, यानी अब उसमें बुकिंग की भी कोई संभावना नहीं बची

है। भोपाल से दिल्ली की ओर जाने वाली करीब 15 प्रमुख ट्रेनों की बात करें तो अधिकतर ट्रेनों में स्लीपर और थर्ड एसी दोनों श्रेणियों में रिग्रेट की स्थिति बनी हुई है, यानी सीट उपलब्ध नहीं है और प्रतीक्षा सूची में भी जगह नहीं बची है।भोपाल से दिल्ली की ओर जाने वाली करीब 15 प्रमुख ट्रेनों की बात करें तो अधिकतर ट्रेनों में स्लीपर और थर्ड एसी दोनों श्रेणियों में रिग्रेट की स्थिति बनी हुई है, यानी सीट उपलब्ध नहीं है और प्रतीक्षा सूची में भी जगह नहीं बची है।

जनशताब्दी का नया टाइम टेबल

यात्रियों की सुविधा और परिचलन संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे ने जबलपुर से संचालित होने वाली 12062-12061 जनशताब्दी के प्रस्थान और गंतव्य स्टेशनों में बदलाव किया है। अब यह ट्रेन मदनमहल स्टेशन से ओरजिनेट और टर्मिनेट होगी। यह बदलाव 12 अगस्त से प्रभावी होने वाला है। रेल प्रशासन ने बताया कि ट्रेन के अन्य स्टेशनों की समय-सारिणी यथावत रहेगी और केवल प्रस्थान एवं गंतव्य स्टेशन में ही परिवर्तन किया गया है। यह निर्णय यात्रियों की सुविधा और मदनमहल क्षेत्र के लोगों की लंबी मांग को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। रेलवे द्वारा इस बदलाव के बाद, अब ट्रेन 12062 मदनमहल-रानी कमलापति जनशताब्दी एक्सप्रेस मदनमहल स्टेशन से सुबह 05.40 बजे प्रस्थान करेगी और अपने निर्धारित मार्ग से होती हुई सुबह 11:15 बजे रानी कमलापति पहुंचेगी।इसी प्रकार ट्रेन 12061 रानी कमलापति-मदनमहल जनशताब्दी एक्सप्रेस शाम 5.40 बजे रानी कमलापति स्टेशन से रवाना होकर, निर्धारित मार्ग से गुजरते हुए रात 10.45 बजे मदनमहल पहुंचेगी।

भव्य झूलेलाल महोत्सव, बहिराणा का सामूहिक कार्यक्रम 11 को

संत हिरदाराम नगर। श्री झूलेलाल चलिए महोत्सव के 27वें दिन 11 अगस्त को राजा वीर मंदिर में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष दिन पर 11 बहिराणा साहिब का सामूहिक कार्यक्रम किया जाएगा।

सुबह 11.00 बजे, मंदिर में 11 बेहराणा साहिब की एक साथ जोत प्रज्वलित की जाएगी। इसके बाद श्री सुनील सत्संगी द्वारा भजन-कीर्तन और सत्संग का आयोजन होगा, जिसमें भक्तगण भगवान झूलेलाल की महिमा का गुणगान करेंगे। कार्यक्रम का समापन पल्लव आरती के साथ होगा। मंदिर समिति द्वारा आरती के बाद सभी भक्तों के लिए भंडारे की व्यवस्था भी की गई है। जो अपने परिवार के साथ बहिराणा साहिब करवाना चाहते हैं, वे अपना नाम मंदिर में लखू भाई के पास लिखवा सकते हैं। राजा वीर मंदिर समिति, ईसरानी मार्केट, हमीदिया रोड, भोपाल ने सभी से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

सरकार का पहला कर्त्तव्य है नागरिकों की सुरक्षा : सीएम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शिवपुरी जिले के ग्राम पचावली पहुंचकर हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने बाढ़ से प्रभावित स्थानीय नागरिकों को मकान क्षति तथा खाद्यान्न के लिए सहायता राशि प्रदान की। मुख्यमंत्री ने ग्राम पचावली में ग्रामवासियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, शिवपुरी विधायक देवेंद्र जैन, कोलारस विधायक महेन्द्र सिंह यादव, पूर्व विधायक प्रहलाद भारती, जनप्रतिनिधि, कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी, पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन भी उपस्थित रहे।

बाढ़ पीड़ितों के बीच सीएम

हर स्थिति में पीड़ितों के साथ खड़ी सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनहानि, पशुहानि अथवा फसल क्षति जैसी हर स्थिति में सरकार पीड़ितों के साथ है। प्रभावित परिवार को राहत राशि सीधे उनके खाते में प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि वे बाढ़ प्रभावितों के दुख-दर्द जानने आए हैं। सरकार हर हाल में प्रभावित परिवारों के साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार का पहला कर्तव्य हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अतिवर्षा से उत्पन्न परिस्थितियाँ हमारे लिए परीक्षा की घड़ी हैं। जनता के सहयोग और प्रशासन के समर्पण से स्थिति पर नियंत्रण पाया गया है। उन?होंने कहा कि अतिवृष्टि एवं बाढ़ग्रस?त क्षेत्रों में राहत कार्य निरंतर जारी रहेंगे। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चलाए जा रहे राहत कार्यों की लगातार समीक्षा की जा रही है। शासन-प्रशासन पूरी मुस?तैदी के साथ राहत कार्यों में लगा है। उन?होंने बाढ़ प्रभावितों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि चिंता न करें, दुख की घड़ी में सरकार आपके साथ है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि हम सुख-दुख के हर क्षण प्रभावितों के साथ हैं। संकट की घड़ी में हर संभव सहायता सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस बार औसत वर्षा से कहीं अधिक वर्षा हुई है।

कचरा निपटान, गांव की शान - बनाएं स्वच्छता अपनी पहचान

भोपाल, दोहपर मेट्रो

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) द्वारा कचरा प्रबंधन और स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के लिये शॉर्ट वीडियो रील्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं, विद्यार्थियों और रचनात्मक प्रतिभाओं को माध्यम बनाकर स्वच्छता के संदेश का प्रचार-प्रसार करना था। प्रतियोगिता की थीम ÷कचरा निपटान, गांव की शान - बनाएं स्वच्छता अपनी पहचान÷ पर आधारित थी। प्रतियोगिता तीन प्रमुख विषयों पर केंद्रित रही कचरे का पृथक्करण , कचरे का पुनरुपयोग और खुले में कचरा नहीं फैलाना। इस प्रतियोगिता में खालवा जनपद के ग्राम मल्हारगढ़ (जिला खंडवा) निवासी श्री मोहन रोकड़े की रील का उत्कृष्ट मानते हुए चयन किया गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने श्री रोकड़े को 25,000 रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सरकार का जवाब, हर साल साइबर ठगी की चार लाख शिकायतें

1054 करोड़ की साइबर ठगी महज दो करोड़ ही मिले वापस

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मप्र में साइबर ठगों के निशाने पर लोगों के बैंक खाते और मोबाइल फोन हैं। साइबर ठग कभी भय और कभी लालच दिखाकर लोगों के बैंक खातों से रकम उड़ा रहे हैं। वहीं मप्र पुलिस मात्र 1 करोड़ 90 लाख रुपए ही वापस दिला पाई है। जबकि एक मई 2021 से लेकर 13 जुलाई 2025 तक साइबर फ्रॉड के जरिए मप्र के अलग-अलग जिलों से करीब 1054 करोड़ रुपए की ठगी की गई है। विधानसभा में कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह के सवाल के जवाब में सरकार ने यह जवाब दिया है।

166 मामलों को किया गया निरस्त

गृह विभाग के मुताबिक इस दौरान करीब 105.21 करोड़ रुपए होल्ड होने की जानकारी भी मिली है। एनसीआरपी पोर्टल के मुताबिक 1 करोड़ 94 लाख रुपए ठगी के शिकार लोगों को वापस लौटाए गए हैं। जो जानकारी दी गई उसमें बताया गया कि पुलिस विभाग के सीसीटीएनएस के डेटा के अनुसार पिछले 4 सालों में ईसीआईआर यानी एनफोर्समेंट केस इनफार्मेशन रिपोर्ट के दर्ज आंकड़ों को देखें तो 2023 को छोड़कर हर साल 4 लाख से ज्यादा दर्ज हो रहीं हैं। पांच वर्ष पहले जहां 4,28,046 मामले थे और 24-2025 (15 जुलाई तक) कुल 1,82,372 मामले दर्ज हुए।जबकि 15 जुलाई तक कुल 1193 एफआईआर दर्ज की गईं हैं। इनमें से 585 मामलों में चालान पेश हुआ। 608 मामले अब भी लंबित हैं। वहीं, 579 मामलों में जांच जारी है।

कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने बताया गंभीर मुद्दा

इस जवाब के बाद विधायक जयवर्धन सिंह ने कहा, ये बहुत ही गंभीर मुद्दा है। मैंने विधानसभा में सरकार से पूछा था कि 2021 से लेकर 2025 तक कितने साइबर फ्रॉड के मामलों में कितने रुपयों की ठगी हुई है। आश्चर्य की बात ये है कि 1054 करोड़ की साइबर ठगी हुई और मात्र 1 करोड 94 लाख रुपए ही वापस करा पाए हैं। सिंह ने कहा, एक तरफ प्रधानमंत्री कहते हैं कि ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कीजिए लेकिन मप्र में 4 साल में एक हजार करोड़ से ज्यादा की ठगी हुई। मप्र पुलिस की साइबर विंग के द्वारा कोई ऐसा ठोस प्रयास नहीं किया, जिससे बेहतर रिकवरी हो पाए। पुलिस के पास साइबर फ्रॉड का समाधान करने के लिए जो संसाधन होने चाहिए वो नहीं हैं।

2 हजार पात्रों को जल्द मिलेगी खुशखबरी

12 हजार घरों में बिजली कंपनी ने जनमन योजना की रोशनी पहुंचाई

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (प्रधानमंत्री जनमन योजना) आरडीएसएस के तहत कंपनी कार्यक्षेत्र के 10 आदिवासी बहुल जिलों में अब तक बैगा, भारिया तथा सहरिया जनजाति परिवारों के 12 हजार से अधिक घरों को रोशन किया है। गौरतलब है कि कंपनी कार्यक्षेत्र के इन दस जिलों में ग्वालियर, विदिशा, अशोकनगर, श्योपुर, दतिया, गुना, शिवपुरी, रायसेन, मुरैना एवं भिण्ड शामिल हैं। कंपनी द्वारा प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (प्रधानमंत्री जनमन योजना) के तहत अब शेष लगभग 02 हजार पात्र आदिवासी हितग्राहियों के घरों को जल्दी ही विद्युतीकृत कर रोशन किया जाएगा। यह योजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रमुख योजनाओं में शामिल है जिस पर तीव्र गति से काम किया जा रहा है। इस योजना में आदिवासी बहुल गावों के बैगा, भारिया तथा सहरिया जनजाति के अविद्युतिकृत घरों को ऊर्जीकृत किया जा रहा है जिसमें कंपनी के अंतर्गत ग्वालियर में 210, विदिशा में 3697, मुरैना में 62, अशोकनगर में 738, श्योपुर में 752, दतिया में 431, गुना में 2213, शिवपुरी में 3640, रायसेन में 252 एवं भिण्ड में 43 घरों में बिजली पहुंचाई गई है। पीएम जनमन योजना अंतर्गत कंपनी कार्यक्षेत्र के 10 आदिवासी बहुल जिलों के (बैगा, भारिया, सहरिया) पात्र परिवारों के घरों को ऊर्जीकृत किया जा रहा है। इस योजना से एक ओर जहाँ आदिवासी परिवारों के बच्चों को पढ़ने-लिखने के साथ ही घरेलू कामकाज और रोजगार के अवसर मिल रहे हैं वहीं दूसरी ओर पीने के पानी, सड़क बत्ती और मूलभूत सुविधाएं मिलने से उनके रहन-सहन के स्तर में सुधार दिखाई दे रहा है।

सिनेमा में बदले गांव की कहानी पर केंद्रित है डॉक्यूमेंट्री

मनोज पटेल की डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'परिवर्तन' को मिला प्रथम पुरस्कार

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के प्रोड्यूसर डॉ. मनोज पटेल की डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'परिवर्तन - गांव की कहानी, सिनेमा की जुबानी' को राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) द्वारा आयोजित 6वें राष्ट्रीय फिल्म फेस्टीवल में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में देशभर के प्रतिभागियों ने अपनी फिल्में प्रस्तुत कीं, जो ग्रामीण विकास से जुड़ी कहानी कहती हैं। यह फिल्म 'समाज' थीम में पुरस्कृत हुई है। इस वर्ष के फेस्टिवल का मुख्य विषय 'पारिवारिक जीवन, समाज और आर्थिक व्यवस्था' था। डॉ. पटेल ने अपनी फिल्म 'परिवर्तन' में गाँव में आए सामाजिक और आर्थिक बदलावों के साथ-साथ भारतीय सिनेमा में गाँव की प्रस्तुतियों में आए बदलावों को बहुत ही प्रभावशाली ढंग से दिखाया है।

फिल्म 'परिवर्तन' का निर्देशन एवं संपादन डॉ. मनोज पटेल ने स्वयं किया है, वहीं इसकी पटकथा डॉ. केशव पटेल ने लिखी है। डॉक्यूमेंट्री को संदीप शर्मा ने अपनी आवाज दी है। निर्देशक डॉ. मनोज पटेल का कहना है कि फिल्म को मिले इस पुरस्कार ने ग्रामीण विकास और सिनेमा के क्षेत्र में काम करने वाले सभी कलाकारों और तकनीशियनों को नई प्रेरणा दी है। अन्य लोग भी अब ग्रामीण विकास के मुद्दों पर फिल्म बनाने के लिए आगे आएंगे। उल्लेखनीय है कि ग्राम विकास पर उनकी फिल्म 'बाचा -द राइजिंग विलेज' और 'गो-वर' भी पुरस्कृत एवं सराहनीय हैं। इसके साथ ही उन्होंने अपना शोध कार्य भी सिनेमा पर ही पूर्ण किया है।

राज्य स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता में अन्वेषा ठाकुर प्रथम

भोपाल। राज्य स्तरीय (रीजनल) पेंटिंग प्रतियोगिता में इंदौर में आईसीएसई बोर्ड के मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ से आये हुये प्रतिभागियों के मध्य संपन्न सब जूनियर लेवल में कु. अन्वेषा ठाकुर ने राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। कु. अन्वेषा माउण्ट कार्मेल स्कूल (अरविन्द विहार) भोपाल में कक्षा 7वीं में अध्ययनरत हैं। नेशनल लेवल काम्पीटिशन का आयोजन अक्टूबर माह में अहमदाबाद में होना है, जिसमें देश के सभी राज्यों के चयनित विद्यार्थी शामिल होंगे। कु. अन्वेषा ठाकुर ने एसोसियेसन ऑफ स्कूल फॉर द इण्डियन स्कूल सर्टिफिकेट द्वारा 2 अगस्त 2025 को एमएसबी एजूकेशनल इंस्टीटयूट में यह उपलब्धि हासिल की है।

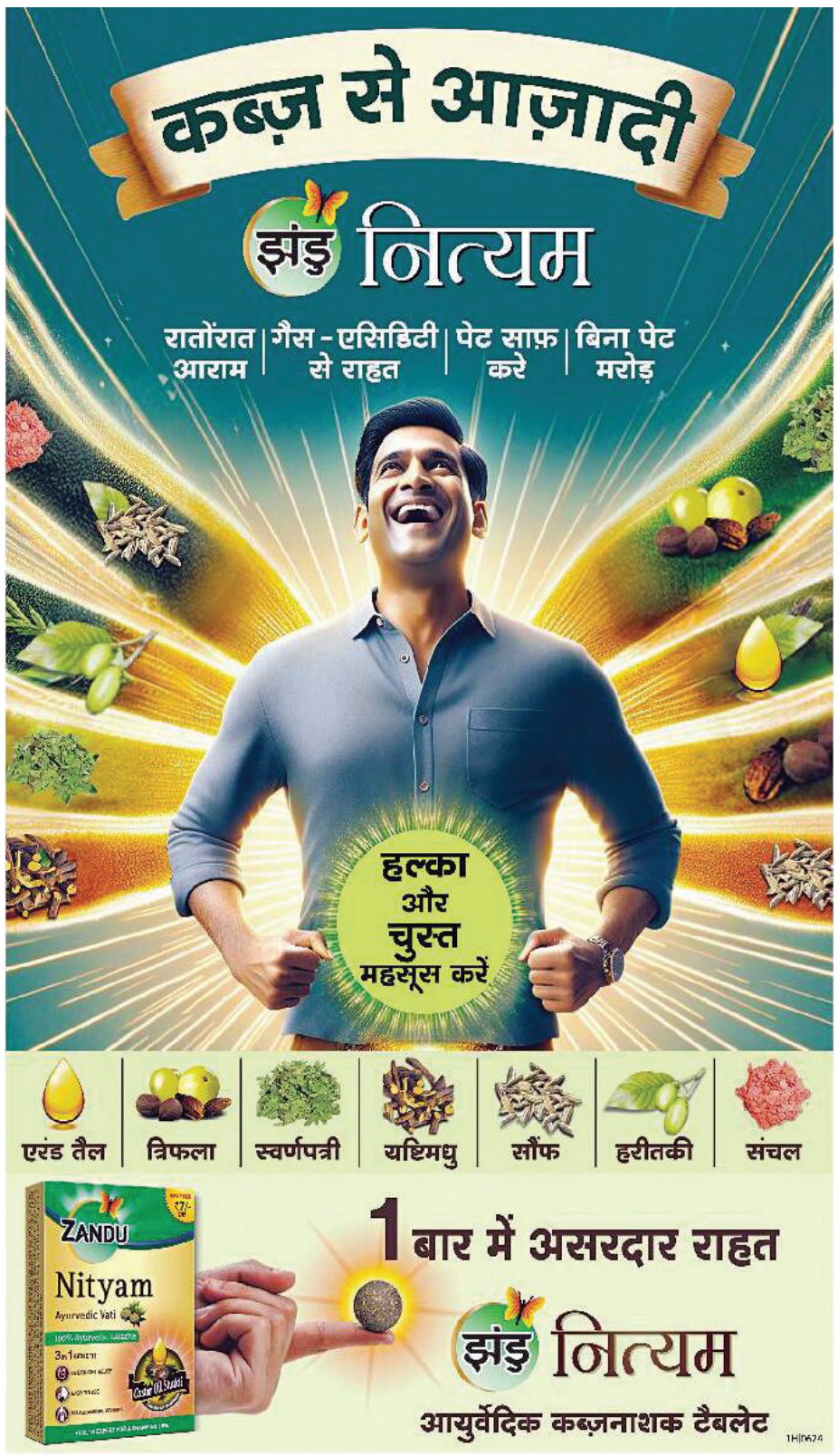

मेट्रो एंकर 177 अपर कलेक्टर, जाइंट कलेक्टर और डिप्टी कलेक्टरों के तबादले

डेढ़ साल बाद लगा नंबर..संयुक्त कलेक्टर बने एडीएम

भोपाल, दोहपर मेट्रो

करीब डेढ़ साल पहले अपर कलेक्टर पद पर पदोन्नत किए गए संयुक्त कलेक्टर अब लंबे इंतजार के बाद एडीएम के रूप में पदस्थ हो सके हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने 177 अपर कलेक्टर, जाइंट कलेक्टर और डिप्टी कलेक्टरों के तबादले किए हैं। उज्जैन नगर निगम के आयुक्त आशीष पाठक को उप परिवहन आयुक्त इंदौर और सागर नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री और देवास नगर निगम आयुक्त रजनीश कसेरा की भी इस आदेश में पदस्थापना बदली है।

इस संबंध में आदेश बीती रात जारी हुए। इन अधिकारियों को डेढ़ साल से संयुक्त कलेक्टर से अपर कलेक्टर पद पर प्रमोट होने के बाद नई पदस्थापना का इंतजार था। अब संयुक्त कलेक्टर से अपर कलेक्टर पद पर जिन अफसरों की पोस्टिंग की गई है उनमें संजीव कुमार जैन को देवास, चंद्रभूषण प्रसाद को ग्वालियर, अश्विनी कुमार रावत को मुरैना, पुरुषोत्तम कुमार को हरदा, प्रभाशंकर त्रिपाठी को

सिंगरौली, अविनाश रावत को सागर, शाश्वत शर्मा को उज्जैन, विकास कुमार सिंह को सतना, धीरेंद्र सिंह को छिंदवाड़ा, राजीव रंजन पांडेय को नर्मदापुरम, मनोज कुमार उपाध्याय को रायसेन, प्रमोद कुमार पांडेय को मऊगंज, संजीव केशव पांडेय को धार, प्रकाश चंद्र शाक्य को भोपाल, प्रमोद कुमार सेन गुप्ता को उमरिया, जगदीश प्रसाद यादव को डिंडोरी, वंदना जाट को बैतूल, बोंदर सिंह कलेश को नीमच, दिलीप कुमार पांडेय को कटनी, विजेंद्र प्रसाद पांडेय को सीधी, मधुवंत राव धुर्वे को पन्ना, चंदर सोलंकी को झाबुआ का अपर कलेक्टर बनाया गया है। इसी तरह द्वारका प्रसाद वर्मन को बालाघाट, मिनिशा पांडेय को शहडोल, अतेंद्र सिंह गुर्जर को उज्जैन, शोभाराम सोलंकी को देवास, सोहन कनाश को अलीराजपुर, रूपेश कुमार उपाध्याय को श्योपुर, शिवप्रसाद मंडराह को टीकमगढ़, प्रताप सिंह चौहान को राजगढ़, नीलाम्बर मिश्रा को अनूपपुर, देवकी नंदन को अशोकनगर का अपर कलेक्टर बनाया है।

हालांकि गत वर्ष सागर में एसडीएम रहे संदीप सिंह को फिर बेहतर पोस्टिंग मिली है। उन्हें बारिश के दौरान दीवार गिरने से हुई बच्चों की मौत के मामले में सरकार की नाराजगी का शिकार होना पडा था और तब से संदीप सिंह जीएडी पूल में पदस्थ थे। अब उन्हें सीएम यादव के गृह जिले उज्जैन का संयुक्त कलेक्टर बनाया है। दूसरी ओर, संयुक्त कलेक्टर भोपाल के पद पर विनीत तिवारी, प्रभारी डिप्टी कलेक्टर भुवन गुप्ता को पदस्थ किया गया है। जबकि महेंद्र सिंह किरार प्रभारी भू प्रबंधन अधिकारी हाउसिंग बोर्ड होंगे।

संपादकीय

दबाव से नहीं बनेगी बात

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के जैसे तेवर भारत के प्रति सामने आ रहे हैं, वे अवाक करते हैं। उनका भारत को लेकर बेहद आक्रामक रवैया भी आश्चर्यजनक है। हाल में जब उन्होंने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया और यह भी चेताया है कि रूस से व्यापार की एवज में कुछ एक्स्ट्रा टैक्स भी लगाया जाएगा। अब ट्रंप के इस फैसले का क्या असर पड़ सकता है, इस बारे में सरकार आकलन कर रही है। उसके पास अभी सात अगस्त तक का वक्त है और बातचीत के रास्ते खुले हैं और वह होनी भी चाहिए, लेकिन जैसी परिस्तिथिति बनी हैं,उमसें तो अब इस मामले में भारत को अपने हितों को भी मजबूती से रखना होगा। माना जा सकता है कि ट्रंप का हालिया बयान केवल टैरिफ या व्यापार घाटे से नहीं जुड़ा। इसके पीछे लंबी हताशा और अपनी इमेज बचाने की चिंता है। कई चरण की बातचीत के बावजूद दोनों देशों की ट्रेड डील किसी अंजाम तक नहीं पहुंच पाई है। सबसे बडा रोड़ा अटका हुआ है कृषि और डेयरी सेक्टर पर। हर डील अपनी शर्तों पर करने वाले ट्रंप इन दोनों सेक्टर में अमेरिका के लिए खुली छूट चाहते हैं। ऐसा करना भारतीय किसानों के हित में नहीं होगा और सरकार का स्टेंड बिल्कुल सही है। उसे इस मामले में बिल्कुल भी नहीं झुकना चाहिए। व्यापार एकतरफा फायदे को देखकर नहीं किया जा सकता। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत के साथ असहमति की जो वजहें गिनाई हैं, उसमें रूस से तेल खरीदना प्रमुख है। लोगों का मानना भी है कि 2022 तक भारत की तेल आपूर्ति में रूस का हिस्सा सिर्फ एक फीसदी था। आज यह आंकड़ा 35-40 फीसद तक है, और जरूरत पड़ने पर इससे पीछे हटना संभव है, क्योंकि अब रूसी तेल पर पहले जितना फायदा नहीं हो रहा। लेकिन, यहां बात केवल फायदे नहीं, दो देशों के रिश्तों और हक की भी है। भारत की अपनी ऊर्जा जरूरतें भी हैं। आखिर अमेरिका ने भी तो उस पाकिस्तान के साथ डील की, जो वैश्विक मंचों पर कई बार आतंकवाद की शरणस्थली साबित हो चुका है। ट्रंप न अपने बयानों पर स्थिर रहते हैं और न पॉलिसी पर। जिन देशों ने उनके साथ डील की है, उन्हें भी कोई फायदा नहीं हुआ। ब्रिटेन, वियतनाम से डील के बावजूद टैरिफ बढ़ रहा है। इसी तरह,ईयू कई देश नाराज हैं क्योंकि आयात शुल्क औसत 4.8 प्रतिशत से बढ़कर अब 15 प्रतिशत हो चुका है। यानी किसी भी सूरत में टैरिफ की स्थिति पहले वाली नहीं रहेगी। इसलिए भारत को किसी दबाव में नहीं आना चाहिए। रुबियो ने भारत को अमेरिका का सहयोगी और रणनीतिक भागीदार बताया है। उनके देश को चीन का सामना करने के लिए भारत जैसे सहयोगी की दरकार है। लेकिन, उनका बर्ताव अब एक दोस्त जैसा नहीं है। भारत को अगर कुछ मामलों में अमेरिका की जरूरत है, तो अमेरिका को भी कई जगह भारत का साथ जरूरी है इसलिये भारत को बराबरी पर भी बात करना चाहिए। वैसे भी ट्रंप के ताजा तेवरों के बाद दुनियाभर के आर्थिक विशेषज्ञ उनकी भारत के प्रति की गई टिप्पणियों को कूटनीतिक रूप से भी तथा आंकडों के मुताबिक भी अनुचित मान रहे हैं। आंकडे बताते हैं कि भारत की विकासदर अमेरिका के मुकाबले बहुत ज्यादा है ऐसे में ट्रंप यदि जानबूझकर इन तथ्यों को नजरअंदाज करके भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं तो यह आने वाले समय में उनके अमेरिका के आर्थिक हितों पर भी चोट करेगी।

वैज्ञानिक ढंग से होना चाहिए श्रद्धालुओं की भीड़ का प्रबंधन

■ सुरेश सेठ

देश के तीर्थस्थलों व मेलों में हादसों का सिलसिला निरंतर जारी है। निस्संदेह, ऐसे हादसे अफवाह व संकरे आवागमन मार्गों के चलते होते हैं। बढ़ती भीड़ के मद्देनजर प्रबंधन वैज्ञानिक तरीके से होना चाहिए।साथ ही अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।

पर्यटन क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्रोत और रोजगारपरक क्षेत्र है। देश को तीन प्रकार के पर्यटन से आय प्राप्त होती है। विदेशी पर्यटकों के आगमन से देश को विदेशी मुद्रा मिलती है और अनेक लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होते हैं। इस प्रायद्वीपीय और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर देश में तीन प्रमुख प्रकार के पर्यटन प्रचलित हैं। पहला, रमणीय पर्यटन, जिसमें पर्यटक दर्शनीय स्थलों का आनंद लेने आते हैं। दूसरा, चिकित्सीय (मेडिकल) पर्यटन, जिसमें विदेशी रोगी भारत में बेहतर और सस्ती चिकित्सा सुविधाओं के कारण आते हैं। तीसरा, धार्मिक पर्यटन है। धार्मिक आस्था से ओतप्रोत इस देश में श्रद्धालुओं की धर्मस्थानों पर निरंतर भीड़ रहती है। विशेषकर सावन जैसे पवित्र महीनों में धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है, जिससे यह पर्यटन और भी सक्रिय हो जाता है।

धार्मिक श्रद्धालुओं का जमावड़ा कभी कम नहीं होता। कई बार भगदड़ जैसी घटनाओं में हृदयविदारक समाचार मिलते हैं, फिर भी पहले से भी अधिक भीड़ जुट जाती है। किसी भी प्रकार की दुर्घटना श्रद्धालुओं के उत्साह को कम नहीं कर पाती। लोग आस्था के समर्पण में इतने लीन रहते हैं कि यह देख कर आश्चर्य होता है कि देश धर्मस्थलों के प्रति कितना समर्पित है। सनातन धर्म में यह विश्वास है कि मंदिरों में साक्षात परमात्मा साकार रूप में विराजमान होते हैं। यही विश्वास करोड़ों श्रद्धालुओं को धर्मस्थलों की ओर आकर्षित करता है।

लेकिन आस्था को समर्पित इस देश में, विशेषकर सावन के पावन महीने में, हाल ही में लगातार जो दुर्घटनाएं हुई, उनमें कई लोगों ने अपनी जान गंवाई और अनेक गंभीर रूप से घायल हुए। जब इन घटनाओं के कारणों की पड़ताल की जाती है, तो या तो बेबुनियाद अफवाहें सामने आती हैं, या फिर प्रशासनिक लापरवाही उजागर होती है। कभी-कभी श्रद्धालुओं की जल्दबाज़ी और पहले दर्शन की होड़ में की गई धक्का-मुक्की भी भगदड़ का कारण बन जाती है। ऐसी भगदड़ों में लोगों के कष्टों का कोई अंत नहीं होता – जानें जाती हैं, लोग घायल होते हैं, परिवार उजड़ते हैं।

बीते 27 जुलाई को उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर में मची भगदड़ में कुछ श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 36 श्रद्धालु घायल हो गए। बताया गया कि सीढ़ियां चढ़ते समय एक खंभे से जुड़े शॉर्ट सर्किट की अफवाह फैली, जिससे लोग घबरा गए और हड़बड़ी में पीछे हटने लगे।

ये घटनाएं यहीं खत्म नहीं होतीं। गत 28 जुलाई को उत्तर प्रदेश के बाराबंकी स्थित अवसानेश्वर मंदिर में भी भगदड़ की एक और दुखद घटना घटी। जलाभिषेक के दौरान करंट फैलने से दो लोगों की मौत हो गई और 29 श्रद्धालु घायल हो गए।

घटना के तुरंत बाद मंदिर की बिजली काटनी पड़ी, जिससे गर्भगृह में अंधेरा छा गया। इसके बावजूद श्रद्धालु अंधेरे में ही दर्शन और जलाभिषेक करते रहे। इसी दौरान, एक मंत्री के मंदिर में पुष्पवर्षा करने की खबर फैल गई, और देखते ही देखते वहां तीन लाख से अधिक लोग जुट गए। अत्यधिक भीड़ के कारण भगदड़ मच गई, और एक बार फिर हादसा सामने आया।

इस तरह की घटनाओं का एक सिलसिला बनता जा रहा है। भारी भीड़ में आगे बढ़ने की होड़ के बीच जब कोई अफवाह फैला दी जाती है तो लोग घबरा जाते हैं और इधर-उधर भागने लगते हैं।

यह कहना भी गलत होगा कि भगदड़ केवल अफवाहों के कारण होती है। प्रशासन की लापरवाही भी इन घटनाओं का एक प्रमुख कारण है। जब किसी मेले या धार्मिक आयोजन में भारी भीड़ जुटनी तय हो, तो प्रशासन को पहले से इसका उचित अनुमान होना चाहिए। श्रद्धालुओं के प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग मार्ग निर्धारित किए जाने चाहिए। इसके अतिरिक्त, मंदिर परिसरों में ऐसे सतर्क सुरक्षाकर्मी या स्वयंसेवक नियुक्त किए जाने चाहिए जो भीड़ को व्यवस्थित रूप से नियंत्रित कर सकें और श्रद्धालुओं को चरणबद्ध तरीके से दर्शन के लिए आगे बढ़ने दें। ऐसा प्रतीत होता है कि भीड़ की प्रकृति और व्यवहार का समुचित मूल्यांकन न होने के कारण, या प्रशासन की लचर निगरानी से ये घटनाएं बार-बार घटती हैं।

आने वाले समय में आस्था-पर्यटन के लिए भीड़ और भी बढ़ेगी। ऐसे में, इन तीर्थस्थलों और मेलों का प्रबंधन करने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है। उन्हें न केवल संभावित भीड़ का सही आंकलन करना चाहिए, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि उसे किस प्रकार नियंत्रित किया जाए।

अक्सर धर्मस्थलों पर प्रवेश और निकास का रास्ता एक ही होता है, जिससे भीड़ की आवाजाही में बाधा आती है और भगदड़ की आशंका बढ़ जाती है। अक्सर जिम्मेदार अधिकारी समय पर सक्रिय नहीं होते। घटनाओं के बाद वे केवल मृतकों को श्रद्धांजलि देने और मुआवज़े की घोषणा करने के लिए आगे आते हैं। यह रवैया अब बदलना चाहिए।

(साभार : लेखक साहित्यकार हैं, यह उनके निजी विचार हैं)

आज का इतिहास

- 1305 - अंग्रेजी शासन के विरुद्ध प्रतिरोध का नेतृत्व करने के लिए प्रसिद्ध, अदम्य स्कॉटिश नेता विलियम वालेस को ग्लासगो के पास अंग्रेजी सेना ने पकड़ लिया। इसके बाद, उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और मुकदमे का सामना करने तथा फाँसी की सज़ा देने के लिए लंदन ले जाया गया।
- 1435 - एक निर्णायक संघर्ष हुआ, जिसे पोन्ज़ा की लड़ाई के नाम से जाना जाता है, जिसमें जेनुएज़ेन सेना आरागॉन के राजा अल्फोंसो पंचम को पकड़ने में कामयाब रही। यह संघर्ष एक महत्वपूर्ण क्षण था क्योंकि इसी के परिणामस्वरूप आरागॉन के सम्राट को पकड़ लिया गया।
- 1716 - एक निर्णायक संघर्ष हुआ, जिसे पेट्रोवाराडिन या पीटरवार्डेन की लड़ाई के रूप में जाना जाता है। इस युद्ध के दौरान, सेवॉय के यूजीन के रणनीतिक नेतृत्व में हैब्सबर्ग सेनाओं ने तुर्की सेनाओं पर शानदार जीत हासिल की। यह विजय उनकी सैन्य वीरता का प्रमाण थी।
- 1775- तत्कालीन बंगाल के महाराजा नंदकुमार को कलकत्ता (कोलकाता) में फांसी दी गयी।
- 1852- उड़ीसा के प्रमुख राष्ट्रवादी आचार्य प्यारे मोहन का जन्म।
- 1864 - मोबाइल बे की लड़ाई में एक शानदार जीत ने इतिहास में अपनी जगह बना ली। रियर एडमिरल डेविड फर्रागुट के नेतृत्व में संघीय सेना ने इस प्रतिष्ठित घोषणा के साथ विजय प्राप्त की, 'टारपीडो को धिक्कार है, पूरी गति से आगे बढ़ो!' यह विजय-पराक्रम अमेरिकी गृहयुद्ध की पृष्ठभूमि में घटित हुआ।
- 1874- जापान ने इंगलैंड की तर्ज पर डाक बचत प्रणाली शुरु की।
- 1884 - न्यूयॉर्क शहर के बेडलो द्वीप पर स्टैच्यू ऑफ़ लिबर्टी की आधारशिला रखे जाने के साथ एक महत्वपूर्ण घटना घटी। इस प्रतीकात्मक कार्य ने स्वतंत्रता और आशा का प्रतिनिधित्व करने वाले एक स्थायी प्रतीक के निर्माण की शुरुआत की।
- 1890- चाँद पर कदम रखने वाले दुनिया के पहले अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग का जन्म।
- 1901- भारत के प्रसिद्ध राजनेता और स्वतंत्रता सेनानी द्वारका प्रसाद मिश्रा का जन्म।
- 1905 - एक ऐतिहासिक बैठक हुई जब रूसी और जापानी शांति आयुक्त पहली बार एक साथ आए। यह महत्वपूर्ण राजनयिक बैठक न्यूयॉर्क के ऑयस्टर बे स्थित अमेरिकी राष्ट्रपति थियोडोर रूज़वेल्ट के आवास पर हुई।
- 1914 - पहली इलैक्ट्रिक ट्रैफिक लाइट अमेरिका में लगाई गई थी।
- 1921 - अमेरिका और जर्मनी ने बर्लिन शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।
- 1945 - अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराया था।
- 1960 - अफ्रीकी देश बुर्किना फासो ने स्वतंत्रता की घोषणा की।
- 1963 - रूस, ब्रिटेन और अमेरिका ने मॉस्को में परमाणु परीक्षण निषेध संधि की।
- 1991 - न्यायमूर्ति लीला सेठ भारतीय हाई कोर्ट दिल्ली की प्रथम महिला मुख्य न्यायाधीश बनी थीं।
- 2002 - गोंजालो लोजाडा बालोविया के नये राष्ट्रपति चुने गये।
- 2008 - भारत के अंडमान निकोबार द्वीप से 176 मील उत्तर-पूर्व में हिंद महासागर में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया।
- 2011 - नासा के वैज्ञानिकों द्वारा मंगल ग्रह पर पानी होने का साइंस पत्रिका में दावा किया गया।
- 2013 - भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम ने जर्मनी में संपन्न हुए विश्वकप में इंग्लैंड को 3-2 (1-1) से हराकर कांस्य पदक जीता।
- 2016 - ब्राजील के रियो डी जनेरियो में 31 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक माराकाना स्टेडियम में शुरू किया गया।
- 2019 - भारत सरकार ने जम्मू कश्मीर को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत दी गई विशेष स्वायत्तता को रद्द किया।

सबसे ज्यादा इंसानों वाले देश भारत में बाघ भी सबसे ज्यादा

■ साकेत बडोला

भारत में बाघों की संख्या 2022 में बढ़कर 3,682 हो गई, जो 2006 में 1,411 थी। अब तो टाइगर रिजर्व की संख्या बढ़ाकर 50 से ज्यादा कर दी गई है। टाइगर रिजर्व के रूप में संरक्षित क्षेत्र न सिर्फ बाघों की सुरक्षित रिहाइश बन चुके हैं, बल्कि ये अन्य संकटग्रस्त वन्य-जीवों के लिए भी महत्वपूर्ण शरणस्थली साबित हो रहे हैं। देश की 300 से अधिक नदियों के उद्गम स्थल भी इन्हीं संरक्षित क्षेत्रों में स्थित हैं।

दुनिया में बाघों की लगातार घटती संख्या और निरंतर सिकुड़ते आवास को देखते हुए साल 2010 में रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में पहला वैश्विक बाघ सम्मेलन आयोजित किया गया था। इसमें 13 बाघ रेंज देशों के सर्वोच्च प्रतिनिधियों ने अपने लिए एक महत्वपूर्ण लक्ष्य निर्धारित किया। यह लक्ष्य था- वर्ष 2012 तक विश्व में बाघों की संख्या को दोगुना करना। बढ़ती जनसंख्या के दबाव में यह लक्ष्य असंभव तो नहीं, लेकिन मुश्किल अवश्य जान पड़ रहा था। मगर बाघ संरक्षण की दिशा में किए गए वैश्विक और सामूहिक प्रयासों से अविश्वसनीय-सा लगने वाला यह लक्ष्य हासिल कर लिया गया।

इस उपलब्धि में भारत का खासा योगदान रहा है। हमने तय समय से पहले ही बाघों की संख्या दोगुनी करने में सफलता हासिल कर ली थी। आज आलम यह है कि दुनिया के 70 प्रतिशत जंगली बाघों का घर भारत ही है। यह घटनाक्रम बताता है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाघ के बारे में बात करने की हमारे लिए कितनी प्रासंगिकता है! विश्व की सर्वाधिक आबादी वाले देश भारत में बाघों की इतनी बड़ी संख्या होना किसी आश्चर्य से कम नहीं है।

दरअसल, भारतीय संस्कृति में वनों व वन्य-जीवों से लगाव, सरकारों द्वारा इस संबंध में किए गए प्रयास, वनकर्मियों के समर्पण और प्रकृति के प्रति देशवासियों के अनुराग के कारण ही हम यह सफलता पा सके हैं। हमारे यहां साल 1973 में ही 'प्रोजेक्ट टाइगर' के नाम से बाघों के संरक्षण को लेकर दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण कार्ययोजना शुरू की गई, जिसके तहत देश के नौ क्षेत्रों का 'टाइगर रिजर्व' के रूप में चयन किया गया। इस योजना की अभूतपूर्व सफलता आज दुनिया में किसी भी संरक्षण-योजना में बतौर उदाहरण पेश की जाती है। इसी योजना से देश में बाघों की संख्या 2022 में बढ़कर 3,682 हो गई, जो 2006 में 1,411 थी। अब तो टाइगर रिजर्व की संख्या बढ़ाकर 50 से ज्यादा कर दी गई है।

टाइगर रिजर्व के रूप में संरक्षित क्षेत्र न सिर्फ बाघों की सुरक्षित रिहाइश बन चुके हैं, बल्कि ये अन्य संकटग्रस्त वन्य-जीवों के लिए भी महत्वपूर्ण शरणस्थली साबित हो रहे हैं। देश की 300 से अधिक नदियों के उद्गम स्थल भी इन्हीं संरक्षित क्षेत्रों में स्थित हैं। इस तरह, देश में बाघों के संरक्षण का प्रयास न सिर्फ सफल रहा, बल्कि देश की जैव-विविधता एवं स्वच्छ जल के संरक्षण में भी खासा मददगार साबित हुआ।

बाघ संरक्षण की सफलता के साथ कई अन्य उपलब्धियां भी हैं। जैसे, भारत द्वारा प्रत्येक चार वर्ष पर की जाने वाली बाघों की गणना को उसके वृहद एवं विस्तृत स्वरूप के कारण 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में शामिल किया गया है। जंगली बाघों की गिनती में श्रेष्ठतम तकनीक का प्रयोग भी विस्मित करने वाला है। इस काम में पारिस्थितिकी मॉनिटरिंग के लिए मोबाइल एप का उपयोग, बाघों की तस्वीर पाने के लिए जंगलों में स्वचालित कैमरों का प्रयोग और प्राप्त तस्वीरों के विश्लेषण के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग का इस्तेमाल खासा उल्लेखनीय है। बाघों की गिनती की यह प्रक्रिया हमने खुद विकसित की है, जो प्रत्येक भारतवासी के लिए गर्व का विषय है। दिलचस्प बात यह भी है कि बड़ी बिल्लियों की प्रजातियों व उनके आवासों के संरक्षण के लिए जिस 'इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस' का गठन किया गया है और जिसमें संसार के तमाम देशों द्वारा किए गए प्रयासों व अनुसंधानों को समेटा गया है, उसका एक महत्वपूर्ण मकसद बाघ संरक्षण में भारत को मिली सफलता का लाभ उठाना भी है।

हर साल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके लिए 29 जुलाई को एक विशेष दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस बाघों के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने, उनके आवास के संरक्षण व विकास के लिए नए सिरे से प्रयास करने और बाघों की घटती संख्या पर वैश्विक स्तर पर विमर्श करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होता है। चूंकि पारिस्थितिकी तंत्र का यह शीर्ष शिकारी जीव जैव-विविधता का संतुलन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, लिहाजा बाघ संरक्षण, मात्र एक संकटग्रस्त प्रजाति का संरक्षण न होकर पृथ्वी पर मानव जीवन के संरक्षण और संवर्द्धन का भी प्रयास है। इसलिए हमें समग्रता में वन्य-जीवन को देखने का नजरिया भी विकसित करना होगा।

(साभार: लेखक जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क के निदेशक है, ये उनके विचार हैं)

संतोष दरिद्रता का दूसरा नाम है।
- प्रेमचन्द

निशाना

रहना है विवादित !

रह रह कर जिह्वा से ।
आते हैं बयान ।।
रहना है विवादित ।
इसी में सम्मान ।।
छोड़ कर सब काम ।
किए एजेंडा तय ।।
पकड़ लिए हैं अपनी ।
जो पुरानी लय ।।
है नज़दीक चुनाव ।
चर्चा में अब रहना ।।
बोल कर कुछ बोल ।
है आगे टहलना ।।
रोटी पानी बनी रहे ।
है उसका जुगाड़ ।।
हल्की फुल्की इसलिए ।
दिखती ये दहाड़ ।।

- कृष्णेन्द्र राय

आक्रोश: बिजली अफसरों को भेंट करने के लिए चूड़ियां लेकर आईं महिलाएं

नहीं चाहिए स्मार्ट मीटर, सड़क पर बैठकर हाइवे रोका, बजली दफ्तर के गेट पर लगाया ताला

इटारसी। दोपहर मेट्रो

स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस भी मैदान में उतर गई है। अभी तक उपभोक्ता इसके विरोध में थे, लेकिन जनता को कांग्रेस का भी साथ मिल गया है। नगर कांग्रेस कमेटी के बैनर तले कांग्रेस के साथ आमजन भी बिजली दफ्तर पहुंचे और जोरदार नारेबाजी करते हुए स्मार्ट मीटर के निर्णय को वापस लेने की मांग करते रहे। सैंकड़ों लोग बिजली दफ्तर के सामने पहुंचे और हाईवे पर बैठकर चक्काजाम कर दिया।

इस दौरान ओवर ब्रिज और नर्मदापुरम रोड पर वाहन फंसे रहे। । कुछ महिलाएं विरोध में बिजली अधिकारियों को भेंट करने चूड़ियां लायी थीं, हालांकि पुलिस के कारण उनकी मंशा पूरी न हो सकी। पूर्व नियोजित योजना और घोषणा अनुसार दोपहर में कांग्रेस कार्यकर्ता पीपल मोहल्ला स्थित बिजली दफ्तर के सामने पहुंचे और सड़क पर बैठकर स्मार्ट मीटर के विरोध में जोरदार नारेबाजी की। उन्होंने यहां चक्काजाम कर दिया। महिलाओं को उग्र होते देखकर

अफसर घबरा गए और उप महाप्रबंधक पुलिस के वाहन में बैठकर निकल गये। थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला और पुलिस बल ने भीड़ को नियंत्रित किया। पुलिस सुरक्षा में डीई संदीप पांडे को पुलिस की गाड़ी से बाहर निकाला गया। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत पांडेय, किसान नेता विजय बाबू चौधरी, कांग्रेस नेता संजय गोठी, नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मयूर जायसवाल, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष रवि किशोर जायसवाल, नीलम गांधी, गजानंद तिवारी सहित अन्य कांग्रेस नेता आंदोलन में शामिल हुए। आंदोलन को देखते हुये भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

बिजली दफ्तर के गेट पर लगाया ताला

प्रदर्शन कर रहे लोगो व कांग्रेस का कहना था कि बिजली अधिकारी जबरन स्मार्ट मीटर लगा रहे हैं। वे स्मार्ट मीटर हटाने की मांग कर रहे हैं। मीटर के विरोध में कांग्रेस ने बिजली कार्यालय के गेट पर ताला दिया। जिसे बाद में खुलवाया गया। बिजली विभाग के शहरी प्रबंधक अखिलेश कनोजे प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे और कांग्रेसियों से चर्चा की।

पौधरोपण कर मनाया हरियाली महोत्सव

गंजबासौदा। बेतवा नौलखी घाट पर सावित्री महिला मंडल द्वारा हरियाली महोत्सव कार्यक्रम मनाया गया। जिसमें अलग-अलग जगह पर पौधरोपण किया गया। और सभी बहनों द्वारा हरियाली को ध्यान में रखते हुए हरी साड़ी पहनी एवं सभी को हरे रंग की चूड़ियां वितरित की गई। जिसमें झूला मौज मस्ती के साथ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया चारों तरफ हरियाली थी और हरियाली मैया से प्रार्थना की सभी का जीवन हरा भरा रहे सबके जीवन में खुशियां भरी रहे हरियाली मैया सबके जीवन में हरियाली बनाए रखे ऐसी माता रानी से प्रार्थना की इस अवसर पर सावित्री महिला मंडल की अध्यक्ष लक्ष्मी शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सोनाली शेबड़े, सलाहकार मंडल विद्या यादव, रश्मि देशपांडे, आशा दीक्षित, रेखा गुर्जर, सुधा पांडे, साझी, कविता शर्मा, विशाखा विश्वकर्मा, लक्ष्मी पाठक आदि बड़ी संख्या में महिलाएं एवं बेटियां उपस्थित थी।

93 नेत्र मरीजों को मिला शिविर में लाभ

गंजबासौदा। नेत्र शिविर नागरिक समिति एवं सिंधी समाज के संयुक्त तत्वाधान में सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय बैरागढ़ द्वारा तथा सेवा भावी संस्था दमयंती धर्म कांटा सेवार्थ के अध्यक्ष योगेश शाह के विशेष सहयोग से हितकारिणी धर्मशाला में नेत्र शिविर निशुल्क कैंप आयोजित किया गया। जिसमें सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ हरिप्रसाद, रविंद्र रघुवंशी एवं रिसेप्शनिस्ट नीतू श्रीवास्तव ने 93 मरीजों की ओपीडी की गई। इसमें से 26 नेत्र रोगियों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए बस द्वारा सेवा सदन बैरागढ़ भेजा गया। एवं 33 नेत्र रोगियों को जांच पश्चात निशुल्क दवाइयां दी गई तथा 24 नेत्र रोगियों को चश्मा बनवाने के लिए परामर्श दिया गया। इस मौके पर नेत्र शिविर नागरिक समिति के अध्यक्ष कांति भाई शाह, समिति के सह सचिव विनीत अरोरा, राजकुमार मलकानी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

महाकाल के गर्भगृह में कथावाचक ने परिवार के साथ की पूजा-अर्चना

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

महाकाल मंदिर के गर्भगृह में सावन के चौथे सोमवार को कथावाचक डॉ. पुंडरिक गोस्वामी महाराज पहुंचे। उन्होंने यहां करीब आधे घंटे तक पूजा-अर्चना की। इस दौरान पुजारी परिवार की महिलाएं भी बड़ी संख्या में मौजूद थीं, जो जलाभिषेक कर रही थीं। हालांकि उन्हें अनुमति थी या नहीं इस पर जिमेदारों ने चुप्पी साध रखी है। मंदिर के जिम्मेदार अधिकारियों के पास कोई जवाब नहीं है कि उन्हें प्रवेश की अनुमति थी भी या नहीं। महाकाल के गर्भगृह में सिर्फ पुजारी ही पूजा-अर्चना कर सकते हैं। उनके अलावा प्रधानमंत्री, सीएम, कैबिनेट मंत्री, राज्यपाल, शंकराचार्य, महामंडलेश्वर के साथ विशिष्टजनों को गर्भगृह में जाने की इजाजत दी गई है। मंदिर में जनप्रतिनिधि बाबा महाकाल के दर्शन करने आते हैं, तो उन्हें भी चांदी द्वार से ही पूजन-अर्चन और दर्शन करवाए जा रहे हैं।

जिला कार्यालय में प्रभारी अधिकारियों की बैठक के दौरान दिए निर्देश

राहत प्रकरणों का सर्वे कर प्रभावितों को जल्द ही राहत राशि उपलब्ध कराएं

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में जिला कार्यालय की विभिन्न शाखाओं के प्रभारी अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने आगामी त्योहारों, राहत कार्यों एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जिले में आयोजित होने वाले त्योहारों एवं चल समारोहों के दौरान डीजे एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों का निर्धारित मात्रा में ही उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सिटी मजिस्ट्रेट को निर्देश दिए कि डीजे की नियमित मॉनिटरिंग की जाए साथ ही तहसील स्तर पर भी तहसीलदारों द्वारा डेसिबल मीटर के माध्यम से ध्वनि का माप किया जाए। कलेक्टर ने संयुक्त कलेक्टर संपदा सराफ को निर्देश दिए की

स्वतंत्रता दिवस पर पचमढ़ी में आयोजित होने वाले समारोह के दौरान महामहिम राज्यपाल जिले के प्रवास पर रहेंगे जिसकी संपूर्ण तैयारी समय पर सुनिश्चित कर ली जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले में राहत प्रकरण का शीघ्र सर्वे कर प्रभावितों को राहत राशि का वितरण करवाया जाए। कलेक्टर ने कहा कि संबंधित एसडीएम एवं तहसीलदार से समन्वय स्थापित कर राहत प्रकरणों की लगातार मॉनिटरिंग करें।

उन्होंने संबंधित प्रभारी अधिकारी को निर्देश दिए की सीएम हेल्पलाइन के एफसी योग्य प्रकरणों की समीक्षा कर उन्हें शीघ्र ही बुलवाए जाए। अंतिम समय तक प्रकरणों को एफसी किए जाने के लिए न रखे जाएं। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि संभागायुक्त द्वारा मार्क किए गए समय सीमा प्रकरणों में अविलंब प्रकरणों का निराकरण कर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। अभियानों एवं योजनाओं की नियमित समीक्षा की जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि आरसीएमएस पर दर्ज प्रकरणों के निराकरण में प्रगति बढ़ाई जाए।

नार्मदीय ब्राह्मण समाज के चुनाव सम्पन्न, मनमोहन पगारे निर्विरोध बने अध्यक्ष

इटारसी। नार्मदीय ब्राह्मण समाज इटारसी ईकाई के चुनाव श्री दुर्गा नवग्रह मंदिर लकड़गंज में संपन्न हुए। चुनाव कराने के लिए हरदा से आए पर्यवेक्षक अशोक पाराशर एवं राजेन्द्र पगारे की उपस्थिति में इटारसी समाज की परंपरानुसार आम सहमति से मनमोहन पगारे को अध्यक्ष के पद पर निर्वाचित किया गया। इस अवसर पर इकाई के समस्त पदाधिकारियो की घोषणा सर्वानुमति से की गई । वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंद शुक्ला, सचिव प्रमोद पगारे ,कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र साकल्ले, सांस्कृतिक सचिव राजेंद्र शर्मा, कार्यक्रम सचिव हर्ष पाराशर, प्रचार सचिव सुनील राजवैद्य सलाहकार समिति में आनंद पारे, संजय सोहनी,एन एल दफ्तरी, अशोक पाराशर, कार्यकारिणी सदस्य डा अतुल पारे, सुशील पाराशर, केशव प्रसाद शर्मा, कमलेश पगारे,एस एन पाराशर चुने गए। इसी प्रकार महिला मंडल अध्यक्ष हेतु श्रीमती शकुन तला पारे, उपाध्यक्ष श्रीमति आरती उपाध्याय,सचिव श्रीमतिआभा शर्मा, कोषाध्यक्ष वंदना शर्मा सांस्कृतिक सचिव श्रीमती रिचा पारे कार्यक्रम सचिव श्रीमती श्वेता पगारे एवं रामायण मंडल प्रभारी श्रीमती पुष्पा पगारे,महासभा की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती जया पाराशर,ओ पी चौरे, तरुण पगारे, सुधीर पगारे, मुकेश पगारे, सुशील शर्मा तथा समाज की महिलाएं,पुरुष एवं युवा भारी संख्या में शामिल हुए। दोनों पर्यवेक्षकों ने परंपरानुसार आम सहमति से निर्विरोध निर्वाचन के लिए इटारसी समाज की प्रशंसा की,अंत में कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र साकल्ले ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र पाराशर ने किया।

गणेशोत्सव 27 से , 200 से अधिक मूर्तिकार नगर में गणेश प्रतिमा बनाने दिन-रात जुटे

आस्था एवं आर्थिक व्यवस्थाओं का समागम है श्रीगणेश उत्सव

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

गणेश उत्सव की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। शहरभर में 10 दिवसीय इस उत्सव को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। खास तौर पर शहर के कुम्हार समाज एवं मूर्ति व्यवसाय से जुड़े मूर्तिकार इस साल 27 अगस्त से शुरू होने वाले इस त्योहार को लेकर काफी उत्साहित हैं। वे अब श्रीगणेश की प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं। एक माह से भी कम समय होने के कारण मूर्तिकारों के परिवार भी इसी काम में अपना सहयोग दे रहे हैं। गणेश उत्सव सिर्फ आस्था ही नहीं, वरन

आर्थिक व्यवस्थाओं का केंद्र भी बन जाता है। इस समय मानसून शबाब पर होता है। शादी विवाह पर चार माह की रोक होती है। लगभग समस्त कारोबार ठंडे रहते हैं, तब इस समय श्रीगणेश उत्सव का आगमन मूर्तिकारों सहित हजारों लोगों की आजीविका का साधन बन जाता है।

मूर्ति बनाने की तैयारी करीब 5-6 माह से पूर्व से होने लगती है। अप्रेल-मई की गर्मी में मूर्तिकार दमुआ एवं जामई के किसानों के खेत पहुंचते हैं। सबसे पहले मूर्तियों की संख्या के अनुमान लगाते हुए खेत की विशेष मिट्टी लेकर अपने घर या मूर्ति निर्माण स्थल तक लाते हैं, उससे कंकड़ आदि साफ करते हैं। मूर्ति बनानें योग्य शुद्ध करते हैं। बड़ी मूर्तियों का निर्माण उसी दौरान शुरू हो जाता है, जबकि छोटी मूर्तियों को मानसून आते ही बनाना शुरू कर दिया जाता है। सांचों में पूरी आकृति देने के बाद अंतिम स्वरूप हाथों एवं ब्रशों से दिया जाता है। मिट्टी के अलावा, लकड़ी के पटरे,सभी रंग, कपड़े, ज्वेलरी, आदि का खर्च मूर्ति के आकार के साथ 100 रुपए से लेकर 10 हजार रुपए से अधिक हो जाता है।

दमोह-जबलपुर नेशनल हाइवे

24 करोड़ की मरम्मत 3 महीने भी नहीं चली

दमोह। दमोह-जबलपुर नेशनल हाईवे पर हाल ही में हुए रिपेयर का काम महज कुछ महीनों में ही दम तोड़ चुका है। जून तक चले 24 करोड़ रुपए के मरम्मत कार्य को पूरे तीन महीने भी नहीं हुए कि सड़क के जगह-जगह परखच्चे उड़ गए हैं। अभाना से लेकर नोहटा तक सड़क की हालत सबसे बदतर है। नोहटा पुल के पास दोनों ओर बडे-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे वाहन चालकों को जान जोखिम में डालकर गुजरना पड़ रहा है। बरसात में इन गड्ढों में पानी भरने से हादसे का खतरा और बढ़ गया है। जबेरा से सिंग्रामपुर के बीच भी सड़क का डामर उखड़ चुका है और गड्ढों से भरी राह पर दोपहिया वाहन चलाना किसी चुनौती से कम नहीं है। जानकारी के अनुसार एनएचएआई ने बीते वर्ष इस हाईवे की मरम्मत के लिए 24 करोड़ रुपए का टेंडर जारी किया था।

सीईओ ने मनरेगा कार्य का निरीक्षण कर दिए निर्देश

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम सोजान सिंह रावत ने 4 अगस्त को जनपद पंचायत नर्मदापुरम की विभिन्न ग्राम पंचायतों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने स्कूल, आंगनवाड़ी और मनरेगा के कार्यों का निरीक्षण कर नर्मदा परिक्रमा पथ अंतर्गत आश्रय स्थल पर होने वाले वृक्षारोपण स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूलों में बच्चों से पढ़ाई के बारे में जानकारी ली और आंगनवाड़ी में बच्चों की उपस्थिति और भोजन की गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने आवासों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्राम पंचायतों में वृक्षारोपण के लिए उपयुक्त स्थल का चयन करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूलों के निरीक्षण के दौरान बच्चों को अर्थ सहित विषय समझाने के निर्देश दिए। श्री रावत ने आंगनवाड़ी में बच्चों की कम उपस्थिति और भोजन वितरण में अनियमितता पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने रढाल गौशाला के समीप महिला शक्ति सीएलएफ द्वारा बनाए जा रहे वायो प्रोटीनास यूनिट

का निरीक्षण किया और उत्पादन बढ़ाने और विपणन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने रढाल और तालनगरी में नवीन तकनीकी से बनने वाली सड़कों का निरीक्षण किया और कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान कार्यपालन यंत्री प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नर्मदापुरम, पीओ मनरेगा एवं सहायक यंत्री जनपद पंचायत उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर

आम और केले के पत्तों के पावन तोरण, झिलमिल लाइट्स से सजा आश्रम

सावन के महीने में भक्ति और आनंद की बयार में डूबा नौलखी झूलन उत्सव

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

सावन का महीना आते ही बेत्रवती नदी के तट पर बसा नौलखी आश्रम भक्ति-रस से भर उठता है। ऐसे ही पवित्र समय में आश्रम में हुए वार्षिक झूलन उत्सव में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। नगर सहित दूर-दराज़ के गाँवों से आए श्रद्धालुओं ने इस महोत्सव को भक्ति-भाव में डूबते हुए मनाया। आश्रम परिसर को रंग-बिरंगी झालरों, आम के पत्तों की पावन तोरण और ताजे फूलों के हारों से सजाया गया था। शाम 4 बजे से प्रारंभ हुआ झूलन उत्सव का आयोजन देर रात तक चलता रहा। उत्सव के समापन पर आयोजित हुए भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की।

सावन-भादों आते ही सनातन परंपरा के अनेक पर्व-त्योहार जीवंत हो उठते हैं। इन्हीं में से एक है झूलन उत्सव, जो भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी के प्रेम और लीला का प्रतीक है। साकेतवासी सिद्ध संत बाबा जगन्नाथदास जी

महाराज द्वारा बेतवा घाट पर स्थापित नौलखी आश्रम में धूमधाम के साथ आयोजित हुए झूलन उत्सव में भक्ति, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक सनातनी परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला। आश्रम में राधा-कृष्ण की एक झूले में जीवंत झांकी, तो फूलों से सजे दूसरे झूले में विराजमान ठाकुर जी का विग्रह और भजनों की गूंज ने वातावरण को साक्षात् ब्रजधाम में बदल दिया। भक्तों ने प्रेम, भक्ति और आनंद से ओत प्रोत होकर ठाकुर जी को झूला झुलाते हुए आनंद उत्सव मनाया। पुजारी अमित महाराज ने बताया कि नौलखी आश्रम में विराजमान भगवान जगन्नाथ स्वामी, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा जी के साथ-साथ सीताराम भगवान के विग्रहों का सावन की थीम पर विशेष श्रृंगार किया गया। झूले को कमल के फूलों और आम के पत्तों से पूरी तरह ढक दिया गया था, जिससे उसका दृश्य किसी पुष्प मंदिर जैसा हो गया। राधा कृष्ण के भेष में दो छोटे बच्चों को झूले में विराजमान किया गया। राधा हरे रंग के घाघरे और चुनरी में, कृष्ण पीतांबर और मोरपंख मुकुट में,गले में फूलों की मालाएं, माथे पर चंदन का तिलक। श्रद्धालुओं का कहना था कि यह आयोजन उनकी स्मृतियों में हमेशा अंकित रहेगा।

कलाकारों ने दी भजनों की मनमोहक प्रस्तुति

झूलन उत्सव को और भी दिव्य और भव्य बनाने के लिए विदिशा-भोपाल के अलावा स्थानीय कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुति देकर भजन-गायन कला से सभी का मन मोह लिया । विदिशा के प्रसिद्ध भजन गायक अमित महाराज, नारायण महाराज ने ब्रज के पद सुनाएं। आश्रम के महंत राम मनोहर दास जी महाराज ने ब्रज का प्रसिद्ध पद सावन की बरसे रिमझिम बदरिया झूले राधा रानी गाया तो उपस्थित श्रद्धालु अपने आप को नाचने से नहीं रोक पाए। भजन गायक शुभांशु झा और संदीप तिवारी ने भी भजनों की शानदार प्रस्तुति दी। आश्रम के महंत राम मनोहर दास महाराज ने उन्होंने भक्तों से आह्वान किया कि भक्ति के साथ-साथ सेवा और सदाचार को भी जीवन में अपनाएँ, ताकि समाज में समरसता, प्रेम और एकता का संदेश फैले।

बच्चों से शर्मनाक हरकत, शिक्षकों को लगाई फटकार

छिंदवाड़ा। सहायक संचालक डीपी डेहरिया ने हर्रई अमरवाड़ा के शासकीय स्कूलों का निरीक्षण करते हुए हर्रई के एक विद्यालय के कक्षा 6वीं के विद्यार्थियों से हिन्दी नहीं पढ़ पाने पर शिक्षकों को फटकार लगाई है। उन्होंने शिक्षकों को 15 अगस्त तक का समय देते हुए सभी छात्रों को हिंदी सिखाने के निर्देश दिए। नहीं सीखने पर शिक्षकों को कार्रवाई के लिए तैयार रहने के लिए भी कहा।

सहायक संचालक को निरीक्षण के दौरान हर्रई के शासकीय मॉडल स्कूल की शिक्षिका पूनम गुप्ता, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की उच्च माध्यमिक शिक्षक भावना पटेल एवं प्रिंसी असाटी को बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया। सहायक संचालक ने सभी स्कूलों में जेईई, नीट की कक्षाओं के संचालन, अलग-अलग कक्षाएं लगाने, 5 सालों के मॉडल पेपर एवं पुराने नोट्स छात्रों को उपलब्ध कराने के लिए भी कहा। भ्रमण के दौरान प्राचार्य व शिक्षकों को एक पेड मां के नाम, नामांकन अपडेशन, पुस्तक एवं साइकिल वितरण की प्रगति पर ध्यान देने के निर्देश दिए।

शहडोल: घर में फंसे परिवार और जिम से लोगों को बमुश्किल निकाला

शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में भीषण आग, 13 दमकल आग बुझाने में जुटीं, कई लोगों के अंदर होने की आशंका

शहडोल। दोपहर मेट्रो

नगर में बड़े हादसे की खबर सामने आ रही है। यहां गांधी चौक इलाके में स्थित हरियाणा हैंडलूम नामक कॉम्प्लेक्स में मंगलवार की सुबह अचानक भीषण आग लग गई, जिसने देखते ही देखते आसपास की दर्जनों दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया है। आग के विकराल रूप धारण करने से चंद मिनटों में ही नजदीक स्थित भारती प्रेस, भारती टावर होटल, हरियाणा हैंडलूम समेंत आसपास के कई प्रतिष्ठानों में अफरा-तफरी मच गई।

मौके पर मौजूद लोगों की मानें तो आग की लपटों ने देखते ही देखते तीन मंजिला इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। बताया जा रहा है कि, बिल्डिंग में एक जिम और कई अन्य दुकानें संचालित हैं। बताया जा रहा है कि कुछ लोग होटल के भीतर फंसे हो सकते हैं। ऐसी आशंका जताई जा रही है। फिलहाल, घटना की जानकारी लगते ही स्थानीय पुलिस के साथ-साथ प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंच चुका है और रेस्क्यू ऑपरेशन भी शुरु कर दिया गया है। भारी धुएं और आग के कारण राहत कार्यों में लगातार बाधा आ रही है। मौके पर मौजूद लोगों की मानें तो आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड का अमला मौके पर पहुंच तो गया है, लेकिन उपकरणों के अभाव और समन्वय की कमी के चलते उनके सामने आग पर काबू पाना काफी चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है।

गुस्साए लोगों ने फायर ब्रिगेड अमले पर लगाया लचर व्यवस्थाएं होने का आरोप

स्थानीय लोग फायर ब्रिगेड अमले की व्यवस्थाओं पूरी तरह लचर होने का आरोप लगा रहे हैं। पर्याप्त संसाधनों और समय रहते प्रभावी कार्रवाई न होने के कारण आग और ज्यादा विकराल हो गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए दमकल की कई अतिरिक्त गाड़ियां अन्य क्षेत्रों से मंगाई जा रही हैं। हालांकि आग लगने के कारण का अब तक खुलासा नहीं हो सका है, लेकिन अनुमान लगाया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट या ज्वलनशील सामग्री के संपर्क में आने से यह हादसा हुआ होगा। प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं।

सुरक्षा और अग्निशमन व्यवस्था की खोल दी पोल

इस पूरे हादसे ने एक बार फिर गांधी चौक जैसे भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में सुरक्षा और अग्निशमन व्यवस्था की पोल खोल दी है। लगातार व्यावसायिक दबाव झेल रही इस क्षेत्र की इमारतें अग्निसुरक्षा के मानकों पर खरी नहीं उतरतीं, जिसका उदाहरण आज की घटना में साफ देखा गया।

राजडोंगरी के तालाब में नहाने के लिए गई दो बहनों की मौत, पड़ताल जारी

छिंदवाड़ा। पांढुर्ना ग्राम राजडोंगरी के तालाब में डूबने से दो सगी बहनों की मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना के बाद किसान परिवार पर दुखों का पहाड़ टूटा है। पुलिस चौकी नांदनवाड़ी से मिली जानकारी के अनुसार किसान राजकुमार पिता जनक परतेती की दो पुत्रियां वैशाली 11 वर्ष और अर्पिता 7 वर्ष के खेत के पास स्थित तालाब से शव बरामद किए गए हैं। जानकारी के अनुसार बीते दिन सुबह पूरा परिवार खेत में खाद डालने और निंदाई करने गया था। स्कूल की छुट्टी होने की वजह से दोनों बच्चियां भी माता-पिता के साथ थीं। बताया जा रहा है कि खेत के काम के दौरान दोनों बच्चियां खेत के पास स्थित तालाब में नहाने चली गईं। यहां गहरे पानी में जाने से दोनों की डूबकर मौत हो गई। शाम को जब खेत का काम खत्म हुआ तब माता पिता को बच्चियां दिखाई नहीं दी। इसके बाद तलाश शुरू की गई तो तालाब किनारे कपड़े दिखाई दिए। गांव वालों की मदद से रात में शव को तालाब के बाहर निकाला गया। इसके बाद परिवार में मातम पसर गया। इस घटना के सामने आने के बाद पूरे गांव में सनसनी फैली हुई है। वहीं पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया।

4 स्थाई और 19 गिरफ्तारी वारंट तामील

सागर। कैंट थाना पुलिस ने कॉम्बिंग गश्त के दौरान चार स्थाई और 19 गिरफ्तारी वारंट तामील किए। दो अपहृत बालकों को खोजने में भी कैंट पुलिस को सफलता मिली है। थाना प्रभारी रोहित डोंगरे ने बताया कि फरार स्थाई गिरफ्तारी वारंटियों की धरपकड़, अपहृत बालक-बालिकाओं की तलाश सहित अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने पुलिस अधीक्षक विकास शाहवाल ने जिले के सभी थाना प्रभारियों को कॉम्बिंग गश्त के निर्देश दिए हैं। निर्देशों के पालन में कैंट थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की। इसके अलावा जुआरियों पर भी कार्रवाई की गई।

'तू लक्ष्मी बन, तू काली बन पर कभी न बुर्के वाली बन' : पं. धीरेंद्र शास्त्री

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री अक्सर अपने बयानों के कारण सुर्खियों में बने रहते हैं। उन्होंने बुरहानपुर में हिंदू बेटी की नृशंस हत्या के बाद एक बड़ा बयान दिया है। जिसमें उन्होंने पूरे हिंदू समाज की बहन-बेटियों से भावुक अपील की है।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि तू लक्ष्मी बन, तू काली बन पर कभी बुर्के वाली मत बन। देश में बहुत जिहाद चल रहे हैं। लव जिहाद, लैंड जिहाद, थूक जिहाद। पहले यह लोभ लालच देकर, प्रेम दिखाकर, झांसा दिखा के हिंदुओं की बहन बेटियों को अपने झांसे में लेते हैं। इनका मंसूबा इनका उद्देश्य ही है सर तन से जुदा करना। हमारी यही चिंता है कि आने वाले हिंदुओं की बेटियों का क्या होगा?आने वाले बच्चों का क्या होगा? ना बच्चे सुरक्षित हैं, ना संस्कृति सुरक्षित है, ना सनातन सुरक्षित है। आगे बागेश्वर बाबा ने कहा कि इसी चिंता में हम दिन ना रात अनवरत हिंदुओं को जागने की अपील कर रहे हैं। उनको प्रार्थना कर रहे हैं। गांव-गांव जाकर के उनको जगाने के लिए पद यात्रा कर रहे हैं। और यह क्रांति जब तक हमारे तन में प्राण है तब तक तो हम प्रयत्न है हमारा कि यह क्रांति अनवरत जारी रहे। यही हमारी प्रार्थना है। अभी नहीं जागे तो कभी नहीं जाग पाओगे। इसलिए हम सबको अब जाग करके हमारे एक किसी गायक ने कहा था तू लक्ष्मी बन तू काली बन कभी ना बुर्के वाली बन। बुरहानपुर में बीते दिनों हुई घटना को लेकर धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि यह किस तरीके से सोची समझी साजिश है प्रायोजित है। उनको इस प्रकार की समझाइश दी जाती है। उन लोगों की ऐसी मानसिकता ही है, कुंठित मानसिकता ही है और वो इस प्रकार से हिंदू बहन बेटियों को टारगेट करते रहते हैं। अनवरत हर जगह देश के कई कोनों में यह खबरें मिल रही हैं और मध्य प्रदेश भारत का हृदय कहा जाता है और भारत के हृदय में अब यह घटना होना निश्चित रूप से हिंदुओं के लिए यह दाग है और हिंदुओं को विचार करना चाहिए और अब नहीं विचार कर पाए तो कभी नहीं कर पाएंगे।

विशेष श्रृंगार: सागर में रोशनी से जगमग हो रहा वृंदावन बाग, भक्तों ने झुलाया भगवान को झूला

सागर। शहर की लाखा बंजारा झील के सामने स्थित वृंदावन बाग मंदिर रोशनी से जगमग हो गया। झूले में भगवान का विशेष श्रृंगार हो रहा है। बड़ी संख्या में भक्त यहां दर्शनों के लिए पहुंचे और भगवान को झूला झुलाया। सावन माह में यहां विशेष विद्युत साज-सज्जा की गई है। हरियाली तीज से झूला उत्सव मनाया जाएगा।

सैचुरेशन कैंप में लोगों को दी योजनाओं की जानकारी, बताए फायदे

महेश्वर। वित्तीय समावेशन हेतु सभी ग्राम पंचायत स्तर पर सैचुरेशन कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप भारत सरकार एवं वित्त विभाग द्वारा 1 जुलाई 2025 से 3 माह के लिए बैंकों के माध्यम से चलाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य सभी पात्र नागरिकों को भारत सरकार द्वारा दी जा रही हितग्राही मूलक योजनाओं से जोड़ना है। योजनाओं में प्रमुख तौर पर प्रधानमंत्री जनधन खाते, प्रधानमंत्री जीवन बीमा, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, अटल पेंशन योजना आदि शामिल है। इसी क्रम में बैंक ऑफ़ इंडिया ने इस अभियान का आयोजन सोमवार को ग्राम पंचायत आशापुर तहसील में किया। कैंप में बैंक ऑफ़ इंडिया के प्रधान कार्यालय से कार्यपालक निदेशक सुब्रत कुमार उपस्थित रहें, जिन्होंने समावेशी बैंकिंग और वित्तीय साक्षरता को समाज के सभी वर्गों के सशक्तिकरण के लिए अत्यंत आवश्यक बताया और इसके अलावा अन्य सेवाएं जैसे री-केवाईसी की वजह से बैंकिंग सुविधाओं का लाभ न उठा पाने वालों को री-केवाईसी करवाना, नॉमिनेशन करवाना, सुरक्षा बीमा योजना का क्लेम शाखा से प्राप्त करने में मदद करना है।

खाद नहीं मिलने से गुस्साए किसानों ने किया चक्काजाम

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

खाद नहीं मिलने के कारण सैकड़ों किसानों ने बस स्टेण्ड के चैराहे पर दमोह जबलपुर मार्ग पर जाम लगा दिया। लगभग पांच घंटे सड़क जाम रही। जिससे दर्जनों बसों सहित अन्य वाहन खड़े रहे। राहगीरों और यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जो यात्री इलाज कराने जबलपुर जा रहे थे उनके सामने बहुत समस्या खड़ी हो गई थी। बहुत से लोगों को इलाए कराए बिना ही वापस लौटना पड़ा। जाम के कारण सड़क के दोनों तरफ वाहनोंकी लम्बे कतार लगी थी। जाम लगाने का स्थान ऐसा था जिस कारण चारों तरफ किसानों ने जाम लगा दिया था। 5 घंटे जबलपुर दमोह मार्ग बंद रहा। किसानो ने आरोप लगाया कि समय पर खाद नहीं मिलने के कारण हमारी फसले खराब हो रही है। साथ ही सभी किसान सब काम छोड़कर यहां पर खाद के लिए लाईनों में लगे है। इसके बाद भी हम लोगों को खाद नहीं मिल पा रहा है। ज्ञात हो कि ब्लाक के किसानों को कई दिनों से खादय नहीं मिल पा रहा है। जिस कारण किसान सरकारी गोदाम के चक्कर काट रहे हैं। खाद मिलने की उम्मीद से दर्जनों किसान सुबह 3 बजे से गोदाम के बाहर बैठ गए थे। लगभग सुबह साढ़े 9 बजे से किसानो को एक-एक बोरी का कूपन दिया जाने लगा था। लगभग 30 किसानों को खाद भी वितरण किया गया लेकिन किसानों की भीड़ बढ़ती गई और किसानों ने पुलिस के वेरिकेट भी तोड़ दिए गए। इस दौरान मौजूद तहसीलदार विवेक व्यास ने खाद का वितरण बंद करा दिया। जिस कारण सभी किसानों में रोष व्याप्त है। लगभग सुबह साढे 10 बजे बस स्टेण्ड आकर चैगडडा पर जाम लगा दिया गया। प्रशासन के अधिकारियों के बार बार समझाने पर भी किसानों ने जाम नहीं खोला।

शव वाहन फिर भी ट्रैक्टर-ट्रॉली में भिजवाई लाश

घुघरा के युवक की संदिग्ध मौत का मामला

कटनी। दोपहर मेट्रो

कुठला थाना क्षेत्र अंतर्गत बिलहरी चौकी के ग्राम घुघरा में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से जुड़ा गंभीर मामला सामने आया है। मृतक की पहचान आशीष महोबिया पिता रघुवीर (21) निवासी मुरावल भटिया ग्राम पंचायत घुघरा के रूप में हुई है, जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट परिजनों ने तीन दिन पूर्व बिलहरी चौकी में दर्ज कराई थी। रविवार को ग्राम पंचायत घुघरा के भठिया क्षेत्र में युवक का नाले में शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। वहीं दूसरी ओर शव को पीएम के लिए भेजने में फिर संवेदनहीनता बरती गई है। मृतक को शव वाहन तक मुहैया नहीं कराया गया।

ग्रामीणों द्वारा शव देखे जाने के बाद सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची बिलहरी चौकी पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा, लेकिन शव वाहन की जगह ट्रैक्टर-ट्रॉली में शव लादकर जिला अस्पताल भेजा गया, जिससे परिजनों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। परिजनों का कहना है कि यह सीधी हत्या का मामला है, क्योंकि मृतक के सिर पर गहरी चोट के निशान पाए गए हैं।

खोखले साबित हो रहे दावे

परिजनों ने बताया कि जिला प्रशासन 24 घंटे सातों दिन शव वाहन सेवा उपलब्ध होने का दावा कर रहा है, लेकिन उन्हें इस सुविधा का लाभ नहीं दिया गया। जब परिजनों ने शव वाहन चालक से शव ले जाने की बात कही तो उसने कहा कि रिपोर्ट या लिखित आदेश के बिना वह शव नहीं ले जाएगा। बताया जा रहा है कि पीएम करने वाले डॉक्टर ने हस्ताक्षर कर अनुमति भी दी, फिर भी शव वाहन कर्मी ने शव वाहन ले जाने से इनकार कर दिया। अंतत- परिजन शव को ट्रैक्टर-ट्रॉली में ही अपने घर तक ले जाने को मजबूर हुए।

नवजात बेटी को कचरे में फेंका

मनोज गौड। महेश्वर/करौली

सुबह के समय जब ग्रामीण वहां से गुजर रहे थे, तब उन्होंने एक नवजात शिशु के रोने की आवाज सुनी। जब लोगों ने पास जाकर देखा, तो वे स्तब्ध रह गए। एक मासूम बच्ची, जो शायद अभी एक दिन की भी नहीं थी, बिना कपड़ों के कचरे में पड़ी तड़प रही थी। घटना की सूचना तुरंत 108 एंबुलेंस को दी गई। एंबुलेंस कुछ ही समय में मौके पर पहुंची और बच्ची को महेश्वर के शासकीय अस्पताल लाया गया। सरकारी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बच्ची को बेहतर इलाज हेतु जिला अस्पताल खरगोन रेफर कर दिया। डॉक्टरों का कहना है कि बच्ची की हालत स्थिर है, परंतु संक्रमण और ठंड से उसे खतरा था, समय पर इलाज मिलने से उसकी जान बचाई जा सकी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच शुरू

की। फरियादी की रिपोर्ट के आधार पर अज्ञात महिला के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की तलाश कर रही है। इस घटना के सामने आने के बाद जहां एक ओर समाज में गुस्से की लहर दौड़ गई है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीणों द्वारा दिखाई गई संवेदनशीलता और तत्परता भी सराहना योग्य है।

मेट्रो एंकर वन विभाग हर साल कराता है पौधारोपण लेकिन वन अमले की मिली भगत से हो रहा नुकसान

चार माह जंगल में मवेशी चराते हैं चरवाहे, वन संपदा हो रही नष्ट

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

बारिश के मौसम में वन विभाग द्वारा करोड़ों रुपए खर्च लाखों पौधे लगाए जाते हैं, लेकिन यह पौधे पेड़ नहीं बन पाते। इसके पीछे कई कारण हैं जिनमें से एक मवेशियों के साथ आकर चार महीने डेरा लगाने वाले लोग। ये लोग तेंदूखेंड़ा क्षेत्र के जंगलों से लगी हुई जबलपुर जिले की पाटन तहसील से आते हैं। जंगलों में तिरपाल के तंबू लगाकर चार माह तक डेरा डालते हैं। उनके साथ आए मवेशी जंगल की हरियाली को अपना भोजन बना लेते हैं। तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र की सहजपुर बीट के आरएफ 207 यह दृश्य इन दिनों देखा जा सकता है। ग्राम पंचायत इमलीडोल के आश्रित गांव हाथीडोल बीट में समनापुर के पाल समाज के लोग अपने मवेशियों के साथ रह रहे हैं। मवेशियों को चराने जंगल ले जा रहे है। जब तक बारिश चलेगी ये यहीं रहेंगे। वनसंपदा को इन मवेशियों और चरवाहों द्वारा नुकसान पहुंचाया जा रहा है। सूत्रों द्वारा बताया जा रहा है कि जंगल से ही दूध का व्यापार भी चलता है। जंगल में ही ग्वारी बनाकर दूध बेचा जा रहा है, जिससे जंगल के अंदर वाहन भी प्रवेश करते हैं। अब यही वाहन जंगल में आकर दूध की आड़ में वन संपदा का भी परिवहन कर लेते हैं। जिससे जंगलों को नुकसान पहुंचता है।

टाइगर रिजर्व में अनदेखी

तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र का जंगल अब टाइगर रिजर्व क्षेत्र में चला गया है और बिना अनुमति प्रवेश करना प्रतिबंध है। लेकिन यहां पर वन कर्मियों को जानकारी होने के बाद भी लोग ग्वारी बनाकर अपने मवेशियों के साथ निवास कर रहे हैं।। ऐसे में समूचे वन अमले पर अनदेखी के आरोप लग रहे हैं। उप वनमंडल अधिकारी तेंदूखेड़ा प्रतीक दुबे का कहना है कि उन्हें जानकारी नहीं है कि जंगलों में मवेशी पालक डेरा डाले हुए हैं, बताई गई बीटों में टीम भेजकर जांच कराएंगे ।

अंग्रेजों के जबड़े से छीनी खुशी, जश्न में डूबी गिल की युवा सेना

ओवल टेस्ट में टीम इंडिया की ऐतिहासिक जीत के बाद गौतम गंभीर का रिएक्श

हम कभी सरेंडर नहीं करेंगे

लंदन, एजेंसी

भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ ओवल क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए टेस्ट मैच में 6 रनों से जीत मिली। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने पांच मैचों की सीरीज को 2-2 से ड्रॉ करा लिया। मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड के सामने जीत के लिए 374 रनों का टारगेट दिया था, जिसका पीछा करते हुए इंग्लिश टीम 367 के स्कोर पर पैक हो गई। ओवल टेस्ट मैच में मिली यादगार जीत के बाद टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने अपनी टीम की तारीफ की है। गंभीर का मानना है कि हार या जीत तो चलता रहता है, लेकिन उनकी टीम कभी घुटने नहीं टेक सकती। गंभीर ने ङ्क पर लिखा, हम कुछ जीतेंगे, कुछ हारेंगे। लेकिन हम कभी सरेंडर नहीं करेंगे। शाबाश लड़कों।

गौतम गंभीर इस पूरी सीरीज के दौरान एक स्पेशलिस्ट बॉलर की जगह एक अतिरिक्त बल्लेबाज को खिलाने की अपनी रणनीति पर अडिग रहे, जिसके चलते उनपर सवाल खड़े हुए। कुछ क्रिकेट विशेषज्ञों ने भी इसे गलत बताया, लेकिन गंभीर को कोई फर्क नहीं पड़ा। कप्तान शुभमन गिल ने ओवल टेस्ट में मिली जीत के

शुभमन गिल ने गौतम गंभीर को लेकर क्या कहा?

शुभमन गिल ने सोनी स्पोर्ट्स से कहा, 卐इस सीरीज से पहले गौती भाई ने कहा था कि हम एक युवा टीम हैं, लेकिन हमें खुद को युवा टीम की तरह नहीं, एक शक्तिशाली टीम की तरह देखना है। आज हमने दिखा दिया कि हम वाकई में एक शक्तिशाली टीम हैं, जिसमें बहुत संभावनाएं हैं। 374 रन के टारगेट का पीछा करते हुए इंग्लैंड का स्कोर एक समय तीन विकेट पर 301 रन था। तब हैरी ब्रूक और जो रूट के बीच 195 रनों की साझेदारी हो चुकी थी। ऐसा लग रहा था कि मैच उनके कब्जे में है। लेकिन इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज की जोड़ी ने इंग्लिश टीम की कमर तोड़ दी। इंग्लैंड की दूसरी पारी में मोहम्मद सिराज ने पांच और प्रसिद्ध कृष्णा ने चार विकेट चटकाए। भारत ने इस मैच में अपनी पहली पारी में सिर्फ 224 रन बनाए थे, जिसके जवाब में इंग्लैंड की ओपनिंग जोड़ी बेन डकेट और जैक क्राउली ने मिलकर अपनी टीम को तगड़ी शुरुआत दी।

रोमांचक सीरीज के ड्रा में क्रिकेट की जीत

टीम इंडिया और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की सीरीज के आखिरी मुकाबले में टेस्ट क्रिकेट के रोमांच का एक और डोज देखने को मिला।टीम इंडिया ने एक बार फिर जीत की दहलीज पर खड़ी इंग्लैंड टीम के जबड़े से जीत छीन कर सीरीज को ड्रा करा दिया।भारतीय टेस्ट क्रिकेट इतिहास में रनों के लिहाज से ओवल पर मिली 6 रनों की यह जीत टीम इंडिया की सबसे छोटी जीत है।अब अगर हम इंग्लैंड में खेली गयी इस टेस्ट सीरीज की बात करें तो फिर एशेज के अलावा शायद ही कभी किसी टेस्ट सीरीज में इतना रोमांच देखने को मिला होगा।सच तो यह है कि 45 दिनों पहले शुरू हुई इस टेस्ट सीरीज में किसी ने भी पूरे 25 दिन के खेल में इस कदर के टेस्ट क्रिकेट रोमांच की कल्पना नहीं की थी।वजह यह कही जा सकती है कि एक ओर जहां घरेलू मैदान की बैजबॉल परिपक्व टीम खेल रही थी,वहीं दूसरी ओर उसके सामने टीम इंडिया की वह यंग ब्रिगेड थी जिसमें पिछले दशक के धमाकेदार टेस्ट बल्लेबाज कोहली-रोहित मौजूद नहीं थे,वहीं फिरकी विशेषज्ञ अश्विन भी नहीं थे।जबकि टीम इंडिया के मैच विनर चैंपियन गेंदबाज बुमराह की मौजूदगी भी 3 मैचों के लिए सीमित थी।अगर हम रिजल्ट पर बारीक नजर डालें तो मजेदार बात यह है कि टीम इंडिया ने जिन दो टेस्ट में जीत हासिल की उसमें यह चैंपियन गेंदबाज रेस्ट मोड में था। दरअसल दोनों टीमों को कागजों पर देखने के बाद क्रिकेट के तमाम जानकार व पंडितों को भी इस तरह की रोमांचक टेस्ट सीरीज की उम्मीद नहीं थी।भले ही टेस्ट सीरीज का रिजल्ट ड्रा रहा है लेकिन इस बात से नकारा नहीं जा सकता कि इस सीरीज में गिल सेना ने इंग्लैंड के बैजबॉल की बैंड बजा दी है।टीम इंडिया की इस ब्रिगेड ने पूरी सीरीज में इंग्लैंड टीम को जवाब उसी के लहजे में दिया है। वहीं अगर बात खिलाड़ियों के जुझारूपन और टीम के प्रति समर्पण की करें तो फिर पंत का टूटे पांव से मैदान में आना और वोक्स का एक हांथ से बल्लेबाजी का जोखिम सीरीज के रोमांच की असलियत बयां करता है।वैसे तो सीरीज 2-2 की बराबरी पर खत्म हुई है जिसमें दोनों ही टीमों के बल्लेबाज और गेंदबाजों ने अपना किरदार बखूबी निभाया है।अगर बात बल्लेबाजी की करें तो पूरी सीरीज में दोनों टीमों के कुल 7187 रन बने मतलब प्रति पारी का औसत लगभग 360 रन रहा जिसमें 21 शतक लगे।इसके अलावा बल्लेबाजी के नजरिये से कई और भी बड़े रिकॉर्ड सीरीज में दर्ज हुए।इन आंकड़ों के लिहाज से भले ही पूरी सीरीज में बल्ले का बोलबाला दिखता है लेकिन बावजूद इसके पिच की खूबी यह रही कि सीरीज में गेंदबाज कभी भी लाचार नजर नहीं आये।हालांकि सीरीज में एक टेस्ट मैच ड्रा भी रहा है,लेकिन उस मैच में भी टेस्ट क्रिकेट का रोमांच चरम पर था,और पूरे पांच दिन वहां भी बल्लेबाजों ओर गेंदबाजों के बीच साँप सीढी का खेल चला था।शायद इसी वजह से यह रोमांचक टेस्ट सीरीज भी ड्रा हुई है। मेरे नजरिये में सीरीज के रोमांच को चरम पर ले जाने में इंग्लैंड क्रिकेट के पिच क्यूरेटर व ग्राउंड स्टाफ की भूमिका भी बेहद सराहनीय रही है।दरअसल अगर हम पूरी सीरीज पर नजर डालें तो फिर सभी मैदानों की पिच पांचों दिन ऐसी रही है,जिस पर बल्लेबाजों ओर गेंदबाजों को अपनी काबलियत दिखाने का मौका मिला है।दरअसल आजकल घरेलू टीमों के लिए फायदेमंद विकेट तैयार करने के समय में जब पिच किसी भी सीरीज के सभी टेस्ट मैच 5 दिन चलने के बाद निर्णय देने मे कामयाब होते है और जिसमें टॉस की भूमिका भी निर्णायक नहीं रहती तो फिर सही मायने में यह क्रिकेट की असल जीत कही जा सकती है।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

कैनेडियन ओपन , डी मिनौर से होगा सामना

क्वार्टरफाइनल में पहुंचे बेन शेल्टन

टोरंटो, एजेंसी

बेन शेल्टन ने कैनेडियन ओपन के राउंड ऑफ 16 में फ्लावियो कोबोली को 6-4, 4-6, 7-6(1) से हराकर अपने टूर-स्तरीय करियर की 100वीं जीत दर्ज की। इसी के साथ उन्होंने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब अगले दौर में शेल्टन का सामना ऑस्ट्रेलिया के नौवें वरीय एलेक्स डी मिनौर से होगा, जिन्होंने अमेरिका के सातवें वरीय फ्रांसेस टियाफो को 6-2, 4-6, 6-4 से हराया।

अपने टूर-स्तर के करियर में अब 100-69 का रिकॉर्ड रखते हुए, शेल्टन 21वीं सदी में जन्मे आठवें और 100 जीत का आंकड़ा छूने वाले नौवें सक्रिय अमेरिकी खिलाड़ी हैं। शेल्टन लगातार तीसरे टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले वह विंबलडन में क्वार्टर फाइनल और पिछले हफ्ते वॉशिंगटन डीसी में

सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। एटीपी स्टैट्स के मुताबिक, इस साल हार्ड कोर्ट पर उनका रिकॉर्ड 16-7 का है, जिसमें ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल तक का सफर भी है। पहले सेट में अपनी धाक जमाने के बाद, शेल्टन को दूसरे और तीसरे सेट में परेशानी का सामना करना पड़ा।

रिटर्न को कोर्ट में लाने अच्छा काम किया

जीत के बाद शेल्टन ने कहा, 卐मुझे लगता है कि मैच के अंत में मैंने रैली करने और रिटर्न को कोर्ट में लाने का अच्छा काम किया। मैं अपनी दो सबसे बड़ी ताकत, सर्विस और फर्स्ट-बॉल फोरहैंड के साथ जूझ रहा था, लेकिन आखिर में जीत हासिल करना मेरी मानसिक दृढ़ता और ऐसे पल में लड़ने की क्षमता को दर्शाता है, बजाय इसके कि मैंने कितना अच्छा खेल दिखाया। शेल्टन इस समय पीआईएफ एटीपी रैंकिंग्स में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ मुकाम पर हैं। इस हफ्ते अगर अपना तीसरा एटीपी टूर खिताब जीतते हैं, तो वह नोवाक जोकोविच को पीछाड़कर वर्ल्ड नंबर 6 बन सकते हैं।

ओवल टेस्ट फतह करने पर बोले पूर्व कप्तान सौरभ गांगुली

मुझे पहले ही लगा था टीम इंडिया जीतेगी

कोलकाता। टीम इंडिया ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पांचवें मैच को छह रन से अपने नाम किया। इसी के साथ भारत ने पांच मुकाबलों की सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म की। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली इस जीत से बेहद खुश हैं। उन्हें पहले से ही उम्मीद थी कि टीम इंडिया निर्णायक मैच अपने नाम करेगी। सौरव गांगुली ने पत्रकारों से कहा, जब चौथे दिन का खेल खत्म हुआ, तो मेरे दिमाग में यही था कि भारत ही जीतेगा। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने जिस तरह गेंदबाजी की, वो शानदार थी। भारतीय टीम में काफी टैलेंट है। यह युवा टीम शानदार है।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने %आईएएनएस% से कहा, अगर जायसवाल शतक नहीं जड़ते, तो स्कोरबोर्ड पर डिफेंड करने के लिए रन नहीं होते। वह अग्रेसिव बल्लेबाज हैं,

लेकिन इस पारी में शांत नजर आए। इस जीत का श्रेय जायसवाल को भी जाता हैं। उनके शतक की वजह से ही टीम इतने स्कोर तक पहुंच पाई। यह बल्लेबाजी के लिहाज से सबसे मुश्किल पिच थी। कैफ ने तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की तारीफ में कहा, उन्होंने शेरों वाला जिगरा दिखाया है। उन्होंने बताया कि वह थकेंगे नहीं।

मोहम्मद कैफ ने भी की गिल की तारीफ

कैफ ने गिल की तारीफ करते हुए कहा, 卐शुभमन गिल बतौर कप्तान बहुत जल्दी सीख रहे हैं। उन्हें बराबरी के लिए यह टेस्ट जीतना ही था। इस मैच में वह बेहद शांत थे। केनिंग्टन ओवल में खेले गए इस निर्णायक मुकाबले में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने पहली पारी में 224 रन बनाए। भारत की ओर से करुण नायर ने 57 रन की पारी खेली। विपक्षी टीम के लिए गस एटकिंसन ने सर्वाधिक पांच शिकार किए। इसके जवाब में इंग्लैंड ने पहली पारी में 247 रन बनाकर 23 रन की मामूली बढ़त हासिल कर ली। हैरी ब्रूक ने 53 रन का पारी खेली।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

सलमान खान संग बड़े पर्दे पर नजर आएंगी चित्रांगदा सिंह

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह जल्द ही सलमान खान के साथ फिल्म में नजर आएंगी। इस फिल्म का टाइटल बैटल ऑफ गलवान है। उन्होंने फिल्म को साहस और वीरता की एक सच्ची और जमीनी कहानी बताया। वास्तविक घटनाओं पर आधारित इस फिल्म को चित्रांगदा ने रियल हीरोज का सम्मान बताया। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह का कहना है कि उन्हें इस फिल्म में सबसे खास चीज जो नजर आई है, वह थी इसकी भावनात्मक गहराई और मजबूत थीम।

चित्रांगदा ने फिल्म के बारे में बताया, यह एक ऐसी कहानी है जो साहस और वीरता को दर्शाती है। आर्मी बैकग्राउंड होने की वजह से मैंने इस फिल्म से जुड़ने के बारे में सोचा। मैंने इस घटना के बारे में पहले काफी सुना था। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। चित्रांगदा सिंह ने आगे कहा, फिल्म की कहानी सुनकर गर्व होता है, और मैं फिल्म में अपनी भूमिका को एक किरदार से बढ़कर मानती हूं, क्योंकि फिल्म का उद्देश्य केवल वास्तविक नायकों को सम्मान देना और कम चर्चित कहानियों को मुख्यधारा में लाने का एक प्रयास है। फिल्म में सलमान खान के साथ काम करने के अनुभव के बारे में चित्रांगदा ने कहा, सलमान जिस प्रोजेक्ट का हिस्सा होते हैं, वह अपने आप में बड़ा बन जाता है। चाहे अभिनेता हो या तकनीशियन, सब कुछ बड़े स्तर पर होता है। यह कहानी ऐसी है जिसे बताया जाना चाहिए, और मुझे खुशी है कि मैं इसका हिस्सा हूं।

पति-पत्नी के बीच लड़ाई आम बात, लेकिन रिश्ते में सच्चाई जरूरी: स्वरा भास्कर

ऐसे समय में जब मशहूर हस्तियों के ब्रेकअप और तलाक की खबरें अक्सर सुर्खियों में रहती हैं, अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने दावा किया है कि वह अपने पति फहद अहमद से कभी अलग नहीं होना चाहेंगी। समाचार एजेंसी आईएएनएस के साथ स्वरा भास्कर और उनके पति फहाद अहमद ने अपनी शादी और रिश्ते को लेकर बात की।

जब स्वरा से पूछा गया, आप दोनों का आपस में झगड़ा हो जाए, तो आप एक दूसरे को छोड़ेंगे या माफ कर देंगे? इस सवाल का जवाब देते हुए स्वरा ने कहा, रिश्ते में लड़ाई होना आम बात है, लेकिन उसका मतलब अलग होना नहीं होता। वहीं, फहाद ने कहा, नहीं-नहीं, हमारे रिश्ते में छोड़ने जैसा कुछ

है ही नहीं। हमसे गलतियां होती हैं, तो हम एक-दूसरे से माफी मांग लेते हैं। हम दोनों ने कभी भी एक-दूसरे को छोड़ने के बारे में नहीं सोचा है। अभिनेत्री ने कहा, कभी-कभी हम गुस्से में एक-दूसरे को ऐसी बातें कह देते हैं जिससे थोड़ा बुरा लगता है, लेकिन हमने कभी ऐसा कुछ नहीं किया जो इतना बुरा हो कि हमें एक-दूसरे को छोड़ने के बारे में सोचना पड़े। स्वरा भास्कर ने कहा, मुझे लगता है कि अगर आप अपने पार्टनर के साथ खुलकर बात नहीं करते हैं, तो इसका मतलब है कि आपके रिश्ते में कुछ कमी है। रिश्ते में भरोसा बहुत जरूरी है। हम एक-दूसरे से कहते तो हैं कि हमें थोड़ी सी स्पेस चाहिए, लेकिन सच में हम एक-दूसरे को स्पेस देते नहीं हैं।

रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा में आ रही नजर

इन दिनों स्वरा भास्कर और उनके पति फहाद अहमद रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा में नजर आ रहे हैं। इस शो में कई फेमस जोड़ियां भी हैं जो अपने जीवन के खट्टे मीठे पलों को साझा कर रही हैं। शो की शुरुआत 2 अगस्त से हो चुकी है और इसे कलर्स टीवी पर प्रसारित किया गया। शो को अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे और कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी होस्ट कर रहे हैं। इसमें आपको ड्रामा, फन, और रिश्तों के बीच की मजेदार झलक देखने को मिलेगी। इसमें कई मशहूर जोड़ियां शामिल हैं, जिनमें गुरमीत चौधरी-देबिना बनर्जी, रुबीना दिलैक-अभिनव शुक्ला, अविका गौर-मिलिंद चंदवानी, सुदेश लहरी-ममता लहरी, गीता फोगाट-पवन कुमार, और हिना खान-रॉकी जायसवाल हैं।

मेट्रो बाजार

जियो के 200 से कम वाले प्लान ने करोड़ों की कराई मौज

मुंबई। जियो ने हाल ही में 200 रुपये से कम कीमत में अपना एक प्लान लॉन्च किया है। इस प्लान में यूजर्स को अनलिमिटेड कॉलिंग, डेटा और फ्री SMS जैसे लाभ मिलते हैं। जियो का यह प्लान खास तौर पर उन यूजर्स के लिए हैं, जो कम खर्च में ज्यादा बेनिफिट्स चाहते हैं। रिलायंस जियो के 200 रुपये से कम कीमत में आने वाले प्लान में यूजर्स को इसके अलावा दो ऐप्स का सब्सक्रिप्शन भी मिलता है। रिलायंस जियो का यह प्लान 198 रुपये की कीमत में आता है। इस प्लान में मिलने वाले बेनिफिट्स की बात करें तो यूजर्स को इसमें पूरे भारत में अनलिमिटेड कॉलिंग, डेली 100 फ्री SMS और wGB हाई स्पीड डेटा का लाभ

मिलेगा। क्योंकि यह 2त्नक्कडेली डेटा वाला प्लान है, इस वजह से यूजर्स को इसमें अनलिमिटेड 5 फीसदी डेटा भी ऑफर किया जाता है। हालांकि, इसके लिए यूजर्स के पास 5त्न स्मार्टफोन होना जरूरी है। छ्ब्ब्थ के इस 14 दिन की वैलिडिटी वाले प्रीपेड रिचार्ज प्लान में यूजर्स को डेली 14 रुपये का खर्च आएगा। इसमें कुल 28त्नक्कहाई स्पीड डेटा के साथ जियो टीवी और जियो एआई क्लाउड का एक्सेस मिलेगा। जियो के पास इसके अलावा 100 रुपये वाला प्लान भी है, जिसमें 90 दिनों की वैलिडिटी ऑफर की जाती है। हालांकि, जियो के इस प्लान में कॉलिंग और SMS की सुविधा नहीं मिलती है। यह एक डेटा ओनली प्लान है, जिसमें यूजर्स को कुल 5त्नक्कहाई स्पीड डेटा का लाभ मिलेगा।

पिछले 5 वित्त वर्षों में 7.08 लाख करोड़ की जीएसटी चोरी पकड़ी गई

नई दिल्ली। पिछले पांच वित्त वर्षों 2020-21 से 2024-25 तक 91,370 मामलों में कर अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई में 7.08 लाख करोड़ रुपए की वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) चोरी का पता चला है। यह जानकारी सोमवार को संसद में दी गई। इन पांच वर्षों के दौरान पकड़े गए 44,938 मामलों में चोरी की गई राशि में 1.79 लाख करोड़ रुपए आईटीसी धोखाधड़ी के थे। इस अवधि के दौरान स्वैच्छिक जमा के माध्यम से वसूल की गई जीएसटी राशि 1.29 लाख करोड़ रुपए से अधिक रही।

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी द्वारा लोकसभा में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में, सीजीएसटी के क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा 2.23 लाख करोड़ रुपए से अधिक की जीएसटी चोरी का पता चला। 2024-25 में पकड़े गए जीएसटी चोरी के 30,056 मामलों में से आधे से ज्यादा यानी 15,283 मामले इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) धोखाधड़ी से संबंधित थे, जिसमें 58,772 करोड़ रुपए की राशि शामिल थी।

वित्त वर्ष 2023-24 में, कर अधिकारियों द्वारा पकड़ी गई जीएसटी चोरी 2.30 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई, जिसमें से 36,374 करोड़ रुपए की आईटीसी धोखाधड़ी शामिल थी। इसी तरह, 2022-23 में लगभग 1.32 लाख करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी पकड़ी गई, जिसमें 24,140 करोड़ रुपए की आईटीसी धोखाधड़ी शामिल थी। वित्त वर्ष 2021-22 में, 73,238 करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी पकड़ी गई, जिसमें से 28,022 करोड़ रुपए की आईटीसी धोखाधड़ी शामिल थी।

आबकारी की टीम के साथ खजूरी सड़क पुलिस ने की कार्रवाई

एसयूवी से तस्करी, 3 युवकों को किया गिरफ्तार, 306 लीटर शराब जब्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो

खजूरी सड़क थाना पुलिस ने आबकारी की टीम के साथ मिलकर ईको स्पोर्ट्स कार से 306 लीटर शराब जब्त की है। पुलिस आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर शराब के बारे में पूछताछ कर रही है। अब तक की पूछताछ में पता चला कि आरोपी उक्त शराब सोनकच्छ से किसी महाराज नामक व्यक्ति से लेकर आए थे। वे आरोपी को नाम से नहीं जानते हैं। आरोपियों से शराब तस्करी में इस्तेमाल ईको स्पोर्ट्स कार भी जब्त की है।

पुलिस के अनुसार रविवार को रात्रि गश्त की जा रही थी। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि सफेद रंग की ईको स्पोर्ट्स कार से तस्कर शराब की तस्करी कर रहें हैं और देवास की तरफ जाने वाले हैं। सूचना के बाद हरकत में आई पुलिस ने आबकारी की टीम को घटना की जानकारी दी। इसके बाद आबकारी की टीम के साथ मिलकर फंदा टोल के पास नाकाबंदी की गई। इस दौरान एक ईको स्पोर्ट्स कार को रोका गया। ईको स्पोर्ट्स कार में 34 कार्टून शराब के मिले। जिसमें 306 लीटर देशी शराब रखी हुई थी। कार में बैठे तीनों युवकों में ड्रायवर ने अपने नाम मनोज नामदेव पिता सुरेश नामदेव (35) अर्चना गैस एजेंसी के पास चांदबाड़ी थाना छोला, रोहित मालवीय पिता स्वर्गीय अजय मालवीय (28) अर्चना गैस एजेंसी के पास चांदबाड़ी, छोला और अनुज श्रीवास पिता वीरसिंह (20) शिव शक्ति नगर थाना छोला बताए। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की तो वे शराब का लायसेंस नहीं बता सके। उन्होंने बताया कि उक्त शराब सोनकक्ष से महाराज से लेकर आए है। वे महाराज को जानते नहीं है। अब पुलिस महाराज नामक उक्त व्यक्ति की तलाश कर रही है, जिससे शराब तस्कर शराब लेकर आए थे। पुलिस ने बताया कि प्रत्येक शराब की क्वार्टर सील बंद है।

करोड़ों का प्लॉट महज चालीस व दस लाख में दो लोगों को बेचा, ठगी का प्रकरण दर्ज

भोपाल। हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित मणिपुरम इलाके में करोड़ों का प्लॉट महज चालीस लाख और एक करोड़ चालीस लाख में दो लोगों को बेचकर ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने उक्त मामले में प्लॉट बेचने वाली हैदराबाद की महिला जालसाज पर धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज की है। आरोपी महिला ने जिसे पहले प्लॉट बेचा था उसे न तो सोसायटी की एनओसी दी और न ही प्लाट की रजिस्ट्री कराई थी और उसे दूसरे को बेचकर रजिस्ट्री करा दी। पीड़ित पक्ष ने कोर्ट में परिवाद दायर किया था। 12 साल तक चली जांच के बाद कोर्ट ने महिला के खिलाफ प्रकरण दर्ज करने के आदेश जारी किए हैं। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार मूलरूप से तिलक नगर इंदौर निवासी राजेन्द्र तारे (70) ने साल 2011 में मणिपुरम हबीबगंज इलाके में एक प्लाट मीनाक्षी कटारिया से 40 लाख रुपए में खरीदा था। मीनाक्षी हैदराबाद की रहने वाली हैं। पहले खरीदार को नहीं दी एनओसी, दूसरे के नाम करा दी रजिस्ट्री प्लाट विक्रय करने के बाद मीनाक्षी कटारिया ने राजेन्द्र तारे को सोसायटी की एनओसी नहीं दी और प्लाट की रजिस्ट्री भी नहीं कराई। राजेन्द्र तारे ने कोर्ट में परिवाद दायर किया। इस बीच कोर्ट में मामला लंबित होने के बावजूद मीनाक्षी ने प्लाट को दूसरे व्यक्ति को वर्ष 2023 में एक करोड़ 10 लाख रुपए में बेच दिया और रजिस्ट्री भी करा दी। पुलिस का कहना है कि महिला ने औने-पौने दाम में प्लाट बेचा है जबकि उसकी कीमत करोड़ों रुपए में है।

स्टोर से लौट रहे कर्मचारी का मोबाइल फोन बाइक सवार बदमाशों ने झपटा

भोपाल। हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित सेंट जोसेफ स्कूल के सामने बाइक सवार बदमाशों ने एक स्टोर से काम कर लौट रहे युवक का बाइक सवार बदमाशों ने मोबाइल झपट लिया। घटना 2 अगस्त की रात करीब पौने 11 बजे के आसपास की है। सेंट जोसेफ स्कूल के पास हबीबगंज में झपटमारों ने की वारदात हबीबगंज पुलिस ने युवक की शिकायत पर झपटमारों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार अनिल सिंह मीणा (36) सांईबोर्ड बाबा नगर में रहते हैं और महाकाल डिपार्टमेंट नामक कंपनी के स्टोर में काम करते हैं। गत 2 अगस्त शनिवार रात करीब पौने 11 बजे वह स्टोर से काम करने के बाद अपने घर सांईबाबा नगर पैदल जा रहे थे। इस दौरान उनके मोबाइल पर कॉल आया और बात करते हुए चलने लगे। वे सेंट जोसेफ स्कूल के पास पहुंचे ही थे कि पीछे से बाइक पर आए दो बदमाशों में पीछे बैठे बदमाश ने उनके हाथ से मोबाइल झपट लिया। उन्होंने बाइक सवार बदमाशों का पीछा भी किया, लेकिन बदमाश तेजी से बाइक चलाते हुए गलियों में भाग निकले। झपटमारी की घटना के बाद वह घर चले गए थे। रविवार को स्टोर पहुंचे और साथियों को घटना की जानकारी दी। साथियों ने उन्हें बताया कि हबीबगंज थाने जाकर शिकायत करों। इस पर वह थाने पहुंचे और मोबाइल झपटने का प्रकरण दर्ज कराया।

एक्स बॉयफ्रेंड से पिता को भेजी चेटिंग, दुखी युवती ने खाया जहर

भोपाल। अवधपुरी थाना क्षेत्र स्थित ग्लैक्सी सिटी में रविवार दोपहर एक युवती ने जहर खा लिया। परिजन उसे बागसेवनिया स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां से एम्स रेफर कर दिया गया। एम्स में इलाज के दौरान सुबह उसकी मौत हो गई। मरने से पूर्व पुलिस ने युवती के बयान दर्ज कर लिए थे। बयान में उसने बताया कि उसके एक्स बॉयफ्रेंड ने मोबाइल हैक कर पिता को बॉयफ्रेंड की चेटिंग भेज दी थी। इससे पिता नाराज हो गए। आत्मग्लानि के कारण उसने जहर खाया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार दीपा लोधी पिता जसवंत लोधी (19) ग्लैक्सी सिटी, अवधपुरी में रहती थी। वह पढ़ाई के साथ प्राइवेट जॉब करती थी। रविवार दोपहर उसने जहर खा लिया। परिजन उसे बागसेवनिया स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवती के बयान दर्ज किए तो उसने बताया कि उसके एक्स बॉयफ्रेंड ने पिता को मोबाइल पर बॉयफ्रेंड की चेटिंग भेज दी थी। पिता ने गुस्से में उसका मोबाइल ले लिया। पिता नाराज थे और उससे बातचीत नहीं कर रहे थे। इसी से दुखी होकर उसने जहर खाया है। दोपहर से रात तक निजी अस्पताल में इलाज चलता रहा। रात में दीपा की हालत बिगड़ने लगी। लिहाजा परिजन उसे एम्स लेकर पहुंचे थे। एम्स में सोमवार सुबह करीब साढ़े 9 बजे दीपा की मौत हो गई।

जांच के बाद हो सकता है प्रकरण दर्ज

पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस ने दीपा का मोबाइल जब्त किया है। पुलिस का कहना है कि मोबाइल की जांच और दीपा के बयान के आधार पर पुलिस एक्स बॉयफ्रेंड के बयान दर्ज करेगी। जांच के बाद उसके खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का प्रकरण दर्ज किया जा सकता है।

गुमठी के बाहर टीन शेड पर विवाद गर्म तेल फेंका, महिला झुलसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गोविंदपुरा के अन्ना नगर में दुकान के बाहर टीन शेड लगाने की बात को लेकर दो परिवार में विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और एक पक्ष ने खौलता हुए गर्म तेल कढ़ाई युवक की तरफ फेंक दी। बीच-बचाव करने आई उसकी भाभी गर्म तेल की चपेट में आने से गंभीर रूप से झुलस गई। करीब 70 फीसदी झुलसी हालत में महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि तेल फेंकने वाला आरोपी भी 30 फीसदी झुलसा है। दोनों को हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने हत्या का प्रयास का प्रकरण दर्ज कर एक नाबालिग को हिरासत में लेकर बाल संप्रेक्षण गृह भेजा है जबकि घटना के बाद से मुख्य आरोपी फरार है।

पुलिस ने बताया कि बताया कि अन्ना नगर निवासी मुकेश प्रजापति अंडे का ठेला लगाने के साथ पंक्चर की दुकान भी चलाते हैं। उनके रिश्तेदार कमलेश प्रजापति बगल में नाश्ते और किराने की दुकान संचालित करते हैं। कुछ दिन पहले बारिश से बचाव के लिए मुकेश ने दुकान के बाहर टीन शेड डाल दिया था। इसी बात को लेकर कमलेश ने नगर निगम से शिकायत की, जिसके बाद निगम ने शेड हटा दिया। लेकिन जब मुकेश ने दोबारा शेड लगाया तो रविवार रात कमलेश, उसका नाबालिग बेटा और रिश्तेदार विनीत विरोध करने पहुंच गए। विवाद बढ़ने पर कहासुनी हुई और मारपीट शुरू हो गई।

किताब का विमोचन

मुस्कान संगीत समूह के कार्यक्रम में मुरली बलवानी की पुस्तक कहानी संग्रह इच्छाएं का विमोचन पॉलिटेक्निक सभागृह में हुआ।

नर्मदा एक्सप्रेस में युवती का बैग उठाकर भागा बदमाश चलती ट्रेन से कूदा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। नर्मदा एक्सप्रेस में कटनी से इंदौर की यात्रा कर रही युवती का बैग अज्ञात बदमाश चलती ट्रेन में चुराकर भाग निकला। बदमाश ने वारदात उस समय की जब ट्रेन निशातपुरा आउटर पर धीमी गति से चल रही थी। युवती ने आरोपी का पीछा किया तो वह कोच से कूदकर भाग निकला। जीआरपी भोपाल ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। अंधेरे में नहीं देख सकी बदमाश का हुलिया जीआरपी ने बताया कि गोविंदशाह कॉलोनी थाना सब्जीमंडी, जिला कटनी निवासी प्रियांशी पिता मदन लाल सेवलानी (25) ने शिकायत करते हुए बताया कि वह नर्मदा एक्सप्रेस के कोच एचए-1 की बर्थ नंबर 5 पर कटनी से इंदौर की यात्रा कर रही थीं। यात्रा के दौरान उन्होंने लैपटॉप का बैग सीट पर साइड में रख दिया और लेटी थीं। उनकी नींद लग गई। ट्रेन रेलवे निशातपुरा कैबिन के पास पहुंची थी। इसी बीच एक अज्ञात बदमाश उनकी सीट पर रखा लैपटॉप का बैग लेकर भागने लगा। प्रियांशी की नींद खुली और उन्होंने आरोपी को पीछा किया, उस समय ट्रेन की रफ्तार कम थी और आरोपी चलती ट्रेन से कूदकर भाग निकला। प्रियांशी का का कहना है कि उन्हें चश्मा लगा है। सोते समय उन्होंने अपना चश्मा लैपटॉप के बैग में रख दिया था। चश्मा नहीं होने और अंधेरा होने के कारण वह बदमाश का हुलिया नहीं देख सकी। बैग में अलग-अलग कंपनी के दो लैपटॉप व चार्जर समेत हजारों रुपए का सामान रखा था।

कार ने मारी कार को टक्कर

भोपाल। गोविंदपुरा इलाके में एक युवक की कार को दूसरी कार ने टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। जानकारी के अनुसार प्रसन्नजीत सहारे (40) बंजारी कोलार रोड पर रहते हैं और शासकीय विभाग में कम्प्यूटर आपरेटर का काम करते हैं। सोमवार शाम को वह अपनी कार से घर लौट रहे थे। चेतक ब्रिज चौराहे के पास शांति निकेतन की गली से निकल कर आई एक तेज रफ्तार कार के चालक ने उनकी कार में टक्क मार दी, जिससे कार का बोनट और लाईट बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

वहीं ज्योति टाकीज चौराहा स्थित सिग्नल पर खड़ी एक अन्य कार को भी पीछे से आई कार ने टक्कर मार दी,इससे कार का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। पीड़ित कपिल देव हनुमानगंज से अपने घर लौट रहे थे तब यह घटना हुई।

जान जोखिम में डाल रंगमहल चौराहों पर स्पोर्टस बाइक से स्टंट, गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित रंगमहल चौराहा पर स्पोर्ट्स बाइक पर स्टंट कर रहे कॉलेज के छात्र को पुलिस ने गिरफ्तार कर बाइक जब्त की है। छात्र मॉडीफाई बाइक पर जानलेवा स्टंट कर रहा था। वहां मौजूद लोगों ने पुलिस को कॉल कर सूचना दी और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे दबोच लिया।

पुलिस का कहना है कि छात्र की मॉडीफाइ बाइक साइलेंसर से ध्वनि प्रदूषण भी फैला रहा था। टीटी नगर पुलिस ने जब्त की बाइक, मोटर व्हीकल एक्ट की कार्रवाई पुलिस के अनुसार रविवार रात पेट्रोलिंग के दौरान सूचना मिली कि रंगमहल चौराहे के पास एक बाइक सवार तेज गति से बाइक चलाकर सड़क पर स्टंट कर रहा है। उसके स्टंट से उसे और वहां से गुजर रहे लोगों की जान का खतरा है। उसकी बाइक के साइलेंसर से तेज आवाज के साथ धुंआ निकल रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर बाइक क्रमाक एमएच 12 एलएक्स 8333 के चालक को घेराबंदी कर दबोच लिया। उसने अपना नाम सचिन अहिरवार (25) निवासी चेतक ब्रिज के पास का होना बताया। वह मूलरूप से ग्राम अंबाडा पोस्ट इकलेहर, तहसील परासिया, जिला छिंदवाड़ा का रहने वाला है। उसकी बाइक में मोडीफाइ साइलेंसर लगा होने व गाड़ी के दस्तावेज नहीं होने के कारण पुलिस ने मोटर वीकल एक्ट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर वाहन जब्त किया है।

सरेराह तलवार लेकर घूम रहा बदमाश गिरफ्तार

पुलिसो ने दशहरा मैदान के पास एक तलवार लेकर घूम रहे युवक को गिरफ्तार किया है। युवक तलवार से लोगों को डरा-धमका रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दबिश देने की कोशिश की। पुलिस को देखते ही बदमाश ने भागने का प्रयास किया लेकिन पुलिस की घेराबंदी के आगे उसकी एक न चली। पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना नाम दीपक उर्फ दीपू (25) निवासी जवाहर चौक टीटी नगर का होना बताया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से तलवार जब्त कर आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया।

दुपहिये भिड़े : घायलों को गंभीर चोट

भोपाल। बैरागढ़ इलाके में स्कूटर की टक्कर से बाइक सवार एक युवक घायल हो गया। जानकारी के अनुसार बेहटा निवासी सोनू रजक (31)ड्राइवरी करता है। जब वह अपनी मोटरसाइकिल से हलालपुरा बस स्टैंड से अपने घर बेहटा गांव जा रहा था। ईसाई कब्रिस्तान के पास पीछे से आ रहे एक स्कूटर चालक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गया था। राहगीरों की मदद से उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां छुट्टी होने के बाद उसने थाने जाकर एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई। उधर शाहपुरा इलाके में एक तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से सरस्वती नगर निवासी स्कूटर सवार युवक दीपक करोले गंभीर रूप से घायल हो गया। वह अस्पताल में भर्ती है। वह अपनी स्कूटर से स्वर्ण जयंती पार्क की तरफ जा रहे थे तभी बेरछा से थाने वाली रोड पर जाते समय पीछे से आए एक बाइक चालक ने उनकी स्कूटर में टक्कर मार दी । मौके पर पहुंचे परिजनों ने उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज चल रहा है।

मेट्रो एंकर पूछताछ के बाद पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद

एमडी ड्रग्स के साथ हथियार तस्करी करने वाले की रिमांड

भोपाल,दोपहर मेट्रो

एमडी ड्रग्स की तस्करी मामले में क्राइम ब्रांच ने यासीन मछली से चेटिंग मिलने के बाद क्राइम ब्रांच द्वारा गिरफ्तार अंशुल उर्फ भूरी को पुलिस ने चार अगस्त तक की रिमांड पर लिया था और रिमांड के दौरान पूछताछ के बाद क्राइम ब्रांच ने ऐशबाग निवासी 32 साल के तौफीक निजामी पिता तौकरी निजामी निवासी नवीन नगर ऐशबाग से पिस्टल जिंदा कारतूस बरामद की है। क्राइम ब्रांच की टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है। अंशुल उर्फ भूरी की रिमांड अवधि खत्म होने के कारण उसे कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट में क्राइम ब्रांच ने पूछताछ के लिए तीन दिन की अतिरिक्त रिमांड मांगी । क्राइम ब्रांच को तीन की रिमांड मिल गई है। अंशुल उर्फ भूरी नए शहर में संगठित अपराधों में शामिल रहा है। टीटी नगर थाने का निगरानी बदमाश है। उस पर पूर्व में शराब तस्करी के प्रकरण दर्ज किए जा चुके हैं।

उसके खिलाफ बीस से अधिक हत्या के प्रयास, मारपीट, बलवा, आर्म्स एक्ट और तस्करी जैसे गंभीर अपराध दर्ज हैं। क्लब और पब में होती थी मीटिंग एडिशनल डीसीपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि एमडी ड्रग्स का सेवन करने से पूर्व युवाओं को क्लब और पब में पार्टियों में बुलाया जाता था। क्लब और पब में पार्टियां ऑर्गनाइज होती थी। इसमें हाईप्रोफाइल लोग भी पहुंचते थे। बाद में तय होता था कि एमडी ड्रग्स का सेवन किस जगह करना है। यदि ग्राहक फंस जाए तो उन्हें लग्जरी कार से फ्लैट और फार्म हाउस ले जाया जाता था। वहां पर एमडी ड्रग्स का सेवन किया जाता था। युवतियों को लगाई थी लत यासीन मछली पब और क्लब में डीजे ऑपरेट करता था और शाहवर के साथ मिलकर पार्टियां रखता था। इस दौरान युवतियों को एमडी ड्रग्स का सेवन कराया जाता था। एमडी ड्रग्स की लत लग जाने के बाद उसने ड्रग्स की तस्करी कराई जाती थी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022